PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक
भीम प्रज्ञा

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-180 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 24 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'सफलता का रास्ता भाग्य से नहीं, बल्कि रोज़ की छोटी-छोटी मेहनत और निरंतर प्रयास से बनता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

प्रेम की जड़ें सम्मान में ही फलती हैं

कभी एक वृद्ध माली से किसी ने पूछा– 'आपके बगीचे के फूल इतने सुंदर और सुगंधित कैसे हैं?' माली मुस्कुराया और बोला– 'मैं इन्हें सिर्फ पानी नहीं देता, इन्हें सम्मान भी देता हूँ।' यह उत्तर सुनकर व्यक्ति चकित रह गया, लेकिन इस छोटे से कथन में जीवन का एक गहरा सत्य छिपा है। ठीक उसी प्रकार जैसे एक पौधा केवल पानी से नहीं, बल्कि सही वातावरण, देखभाल और संवेदनशीलता से पनपता है, वैसे ही प्रेम भी केवल भावनाओं से नहीं, बल्कि सम्मान की मजबूत नींव पर टिका होता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

आज के समय में प्रेम की परिभाषा तेजी से बदल रही है। लोग प्रेम को केवल आकर्षण, भावनात्मक जुड़ाव या साथ रहने तक सीमित कर देते हैं, लेकिन यह समझना आवश्यक है कि प्रेम की वास्तविक शक्ति सम्मान में निहित होती है। जहां सम्मान नहीं है, वहां प्रेम अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता। प्रेम एक कोमल अनुभूति है, जिसे संजोने के लिए संवेदनशीलता और परिपक्वता की आवश्यकता होती है। जब हम किसी व्यक्ति का सम्मान करते हैं, तो हम उसके अस्तित्व, विचारों और भावनाओं को स्वीकार करते हैं। हम यह संदेश देते हैं कि 'आप महत्वपूर्ण हैं, आपकी भावनाएं मायने रखती हैं।' यही भावना किसी भी रिश्ते को मजबूती प्रदान करती है। इसके विपरीत, जहां बार-बार अपमान, उपेक्षा या तिरस्कार होता है, वहां प्रेम धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगता है। असुरक्षा की भावना जन्म लेती है और रिश्ते में दरारें आने लगती हैं। हम अक्सर देखते हैं कि कई रिश्ते समय के साथ टूट जाते हैं। इसका मुख्य कारण प्रेम की कमी नहीं, बल्कि सम्मान की कमी होती है। जब किसी की बातों को नजरअंदाज किया जाता है, उसकी भावनाओं को हल्के में लिया जाता है या उसकी स्वतंत्रता को सीमित किया जाता है, तो वह व्यक्ति भीतर ही भीतर टूटने लगता है। ऐसे में प्रेम केवल एक औपचारिकता बनकर रह जाता है। एक रोचक प्रसंग इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। एक युवा दंपत्ति के बीच अक्सर विवाद होता था। पति अपनी पत्नी से प्रेम तो करता था, लेकिन उसके विचारों को महत्व नहीं देता था। एक दिन पत्नी ने शांत स्वर में कहा– 'मुझे तुम्हारे प्रेम से शिकायत नहीं है, लेकिन तुम्हारे व्यवहार में सम्मान की कमी है।' यह बात पति के हृदय को छू गई। उसने समझा कि प्रेम केवल 'मैं तुम्हें चाहता हूँ' कह देने से पूरा नहीं होता, बल्कि यह 'मैं तुम्हें समझता और स्वीकार करता हूँ' में निहित है। इसके बाद उनके रिश्ते में सकारात्मक बदलाव आया।

प्रेम को जबरदस्ती थामकर नहीं रखा जा सकता। यह एक स्वतंत्र पक्षी की तरह है, जो उसी स्थान पर ठहरता है जहां उसे सुरक्षा, सम्मान और अपनापन मिलता है। यदि किसी रिश्ते में बार-बार अपमान या असंवेदनशीलता का अनुभव होता है, तो वह पक्षी उड़ जाता है और फिर लौटकर नहीं आता। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपने व्यवहार में विनम्रता, सहानुभूति और सम्मान को स्थान दें। आज के आधुनिक जीवन में, जहां प्रतिस्पर्धा और व्यस्तता बढ़ती जा रही है, रिश्तों के लिए समय निकालना और उन्हें समझना एक चुनौती बन गया है। ऐसे में सम्मान का महत्व और भी बढ़ जाता है। छोटी-छोटी बातों में एक-दूसरे की सराहना करना, उनकी बातों को ध्यान से सुनना, उनकी सीमाओं का आदर करना–ये सभी चीजें प्रेम को गहराई प्रदान करती हैं। यह भी सत्य है कि जहां आपकी भावनाओं की कद्र होती है, वहां छोटा सा स्नेह भी गहरे रिश्ते में बदल जाता है। इसके विपरीत, जहां आपकी भावनाओं को नजरअंदाज किया जाता है, वहां बड़े से बड़ा प्रेम भी टिक नहीं पाता। इसलिए हमें यह समझना होगा कि प्रेम केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे निभाने के लिए सम्मान अनिवार्य है।

अंततः, यदि हम अपने जीवन में स्थायी और समृद्ध प्रेम चाहते हैं, तो हमें उसे केवल महसूस करने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उसे अपने व्यवहार में उतारना होगा। प्रेम को सम्मान देना, उसकी गरिमा को समझना और उसे सहेजकर रखना ही सच्चे रिश्तों की पहचान है। इसलिए यह कहना बिल्कुल उचित है कि प्रेम की जड़ें तभी मजबूत होती हैं, जब उन्हें सम्मान का जल मिलता है। जहां सम्मान है, वहां प्रेम फलता-फूलता है, और जहां सम्मान का अभाव है, वहां प्रेम धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। यही जीवन का सच्चा और अटल सत्य है।

राजस्थान के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां बढ़ाईं:

शिक्षकों के आंदोलन के बाद शिक्षा विभाग ने मांगें मानीं, अब 29 जून को स्कूल खुलेंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज

बीकानेर । राजस्थान के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां (ग्रीष्मावकाश) 28 जून तक बढ़ा दी गई हैं। 22 जून से स्कूल खुलने थे। अब स्कूल 29 जून को खुलेंगे। छुट्टियां बढ़ाने को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के बैनर तले शिक्षकों का आंदोलन चल रहा था। सरकार ने शिक्षकों की मांगें मान ली हैं। संघ और शिक्षा विभाग के बीच शनिवार को समझौता हुआ। समझौता पत्र पर शिक्षा मंत्री के विशिष्ट सहायक के हस्ताक्षर किए गए हैं। उधर, इस संबंध में अभी तक शिक्षा निदेशालय की ओर से कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि जल्द ही औपचारिक आदेश जारी किया जा सकता है।

पहली बार जारी किए थे आदेश

गर्मी की छुट्टियां इस सेशन में कम कर दी गई थीं। सरकार ने आदेश में कहा था कि स्कूल 22 जून से खुलेंगे। इसके बाद से शिक्षकों ने इसका विरोध शुरू कर दिया था। करीब 15 दिनों से शिक्षक आंदोलन पर थे। ब्लॉक लेवल तक शिक्षक धरना दे रहे थे। इस बीच, शनिवार सुबह शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के साथ हुई बैठक में समझौता हुआ।

शिक्षा मंत्री के घर कल रात हुई थी बैठक

जयपुर में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के घर पर शुक्रवार देर रात मीटिंग हुई थी। जिसके आधार पर शनिवार सुबह समझौते पर हस्ताक्षर हुए। बैठक में शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रदेशाध्यक्ष रमेश पुष्करणा, प्रदेश महामंत्री महेंद्र लखारा, संघर्ष समिति के सदस्य और प्रदेश उपाध्यक्ष रवि आचार्य भी शामिल हुए।

प्रिंसिपल पावर की भी छुट्टियां बढ़ाईं

इस सेशन में सरकार ने ?पहली बार प्रिंसिपल पावर की दो छुट्टियों को घटाकर एक कर दिया था। इसका भी शिक्षक विरोध कर रहे थे। अब प्रिंसिपल पावर की भी छुट्टियों की संख्या दो कर दी गई हैं।

नीट छात्र की मौत पर सियासत तेज, राहुल गांधी ने परिवार से की बात

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

नीट-यूजी परीक्षा रद्द होने के बाद कथित तनाव में आए छात्र की आत्महत्या के मामले ने अब राजनीतिक रूप ले लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मृतक छात्र के परिवार से फोन पर बातचीत कर सांत्वना दी और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। परिवार ने बातचीत के दौरान कहा कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक वे बेटे की अस्थियां विसर्जित नहीं करेंगे। बताया जा रहा है कि छात्र लंबे समय से नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था और परीक्षा रद्द होने से मानसिक रूप से काफी परेशान था। परिवार का कहना है कि वह इस बार चयन को लेकर बेहद आश्वस्त था, लेकिन पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने की खबर से टूट गया। राहुल गांधी ने इस घटना को 'सिस्टम की नाकामी' बताते हुए कहा कि लगातार पेपर लीक और परीक्षा घोटालों से देश के युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन भी दिया। इधर इस मामले को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों ने भी परीक्षा प्रणाली और पेपर लीक मामलों पर केंद्र सरकार को घेरा है। छात्र संगठनों और अभिभावकों में भी भारी नाराजगी देखी जा रही है।

कोटपूतली-बहरोड़ एसपी ने सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ की बैठक

कानून व्यवस्था पर लिया फीडबैक; समस्याओं के समाधान का दिया आश्वासन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली-बहरोड़ ने आज राजस्थान पुलिस सेवा निवृत्त संस्थान, जिला कोटपूतली-बहरोड़ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बैठक के लिए अपने कार्यालय में आमंत्रित किया। बैठक में सभी सेवानिवृत्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। एसपी महोदय ने सभी सदस्यों से जिले की कानून व्यवस्था और क्षेत्र में आ रही समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। बैठक के दौरान सभी सदस्यों ने बारी-बारी से अपने-अपने क्षेत्र की कानून व्यवस्था की स्थिति और जमीनी चुनौतियों से अवगत कराया। बैठक में जिला संरक्षक जगमाल सिंह यादव, जिला अध्यक्ष पृथ्वी सिंह यादव, राजेंद्र सिंह यादव, ओम प्रकाश यादव, देवदत्त शर्मा, सत्यनारायण, बनवारी लाल ड्राइवर, शेर सिंह चांदी चाना सहित अन्य सेवानिवृत्त स्टाफ मौजूद रहा। इस अवसर पर जिला संरक्षक व जिला अध्यक्ष ने एसपी को स्मारिका भेंट की। जिला पुलिस अधीक्षक ने सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों के अनुभवों की सराहना करते हुए कहा कि कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने में उनका सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी द्वारा बताई गई समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया और कहा कि पुलिस-जन सहयोग से ही अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

जिले की बालिकाओं को मिलेंगे अच्छे ट्रेनर

राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी मध्य प्रदेश से हिमालय वुडवेज कोर्स कर लौटी गाइडर

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अरुण मूंड । राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान में राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी मध्य प्रदेश पर 15 से 21 मई तक आयोजित हिमालय वुडबैज गाइड प्रशिक्षण शिविर में जिले की चार गाइडर ने हिमालय वुडबैज योग्यता अर्जित की। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि जिले की पीएम श्री महात्मा गांधी श्री कृष्ण परिषद राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरजगढ़ से मनीषा सैनी, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय देवरोड पिलानी से सोनम चौधरी, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सावंलोद बुहाना से सत्यवती, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बुढ़ाना झुंझुनू से अंजू ने यह योग्यता अर्जित की है। इनके प्रशिक्षित होने से जिले की स्काउट गाइड छात्राओं हेतु अच्छे ट्रेनर उपलब्ध हो सकेंगे और जिले की छात्राओं को राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति अवार्ड प्राप्त करने में मदद मिलेगी। चारों गाइडर के झुंझुनू पहुंचने पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, जिला अध्यक्ष गंगाधर सिंह सुंडा, सी.ओ. स्काउट महेश कालावत, सचिव स्थानीय संघ पिलानी श्याम लाल इंदौरिया, सचिव स्थानीय संघ सूरजगढ़ महेश सैनी,सचिव स्थानीय संघ झुंझुनू धर्मपाल सिंह, सचिव स्थानीय बुहाना प्रवीण कुमार ने प्रसन्नता व्यक्त की।

सीबीएसई प्री-सुब्रतो कप 2026 का भव्य शुभारंभ

जीवानी इंटरनेशनल स्कूल में रंगारंग कार्यक्रम एवं रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ आगाज़

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर के सिंघाना रोड़ स्थित जीवानी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित सीबीएसई प्री-सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का शनिवार को भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं गुजरात से आई विभिन्न सीबीएसई विद्यालयों की टीमों ने आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत कर खेल भावना का परिचय दिया। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिसने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में राज्य ओबीसी आयोग सदस्य पवन मावंडिया, भाजपा नेता राजेश दहिया, शिक्षाविद् बिश्नाराम झाझड़िया, जिला फुटबॉल संघ सचिव महेंद्र बिजारणिया, कैलाश कवीया, जगपाल यादव, राजस्थान ग्रुप ऑफ एजुकेशन की चेयरमैन नितिका थालोर तथा सीबीएसई सुपरवाइजर अमित यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय चेयरमैन सांवरमल मील ने की। जीवनी शिक्षा समिति की सचिव भगवती देवी एवं विद्यालय निदेशक रितेश मील ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से अनुशासन, नेतृत्व एवं टीम भावना विकसित करने की प्रेरणा दी। टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लाखू मैदान में केशवानंद कॉन्वेंट स्कूल, सीकर और मॉडर्न पब्लिक स्कूल, भिवाड़ी के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में केशवानंद कॉन्वेंट स्कूल, सीकर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की। संस्था चेयरपर्सन सांवरमल मिल ने बताया कि आगामी तीन दिनों तक अंडर-15 बालक एवं अंडर-17 बालक तथा अंडर- 17 बालिका वर्ग के मुकाबले विभिन्न खेल मैदानों में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें पश्चिम क्षेत्र के अनेक प्रतिष्ठित सीबीएसई विद्यालय भाग ले रहे हैं। टूर्नामेंट को लेकर खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

शाहपुरा में आपसी सहमति से मोक्ष धाम का रास्ता 8 फीट से 20 फीट चौड़ा हुआ

सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश पूनिया की पहल

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

कस्बे के निकटवर्ती राजस्व एवं नवगठित ग्राम पंचायत शाहपुरा में सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश पूनिया की पहल पर मोक्ष धाम का रास्ता अब 8 फीट से 20 फुट चौड़ा हो गया है। सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश पूनिया के नेतृत्व में आपसी सहमति से मोक्ष धाम का रास्ता अब 20 फुट चौड़ा हो गया है। ग्राम शाहपुरा में बलाई मोहल्ला से शमशान भूमि तक जाने वाला रास्ता जो पहले 8 फीट चौड़ा था। जिसमें आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था।जिसको आपसी समझायस से 20 फीट चौड़ा किया गया। इसमें समस्त खातेद्वारो का काफी अच्छा सहयोग रहा। रास्ता मौके पर चौड़ा होने से शमशान भूमि और बलाई मोहल्ले में जाने वाले लोगों को काफी राहत मिलेगी।

अर्जुन अवॉर्ड विजेता कैप्टन मेहरचंद भास्कर को नम आंखों से दी अंतिम विदाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

निकटवर्ती गांव गढ़ाखेड़ा में विश्व स्तरीय एथलीट एवं अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित कैप्टन मेहरचंद भास्कर को गुरुवार को नम आंखों से अंतिम विदाई दी गई। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, ग्रामीण एवं गणमान्य लोग मौजूद रहें। अंतिम विदाई के दौरान चिड़ावा सैनिक कल्याण कार्यालय के अधिकारी सूबेदार जयकरण डांगी, सूबेदार सुभाष भास्कर, सूबेदार राजेंद्र झाझड़िया, सूबेदार रमेश भास्कर, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद चिड़ावा इकाई अध्यक्ष सूबेदार मेजर रामकिशन डारा, संयोजक कैप्टन कुलदीप मान, सूबेदार जयसिंह बराला, गौरव सैनानी सेवा समिति अध्यक्ष एवं पूर्व सरपंच शीशराम डांगी, उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद रोहिल्ला, सचिव कैप्टन हरलाल डांगी, सरपंच ठाकर सिंह सहित अनेक पूर्व सैनिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहें। इसके अलावा हवलदार पीत राम, हवलदार शीशराम, हवलदार सत्यवीर, सुशील, मनीष, मास्टर मानसिंह, रविन्द्र, एसआई रत्तन सिंह, हवलदार गोवर्धन मान, सूबेदार सुरेंद्र सिंह चाहर समेत बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। कैप्टन मेहरचंद भास्कर के पुत्र सुभाष भास्कर ने मुखाग्नि दी। इस दौरान मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। सभी ने उन्हें एक महान खिलाड़ी, अनुशासित सैनिक और प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व बताते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कैप्टन मेहरचंद भास्कर ने एथलेटिक्स के क्षेत्र में राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया था। उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और उपलब्धियों से खेल जगत में विशेष पहचान बनाई तथा युवाओं के लिए प्रेरणा बने रहें।

चिड़ावा पुलिस की निष्क्रिय कार्यशैली के विरोध में ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

सामाजिक एकता मंच की महिला विंग जिलाध्यक्ष सुमन मेघवाल के नेतृत्व में शनिवार को चिड़ावा थाना अधिकारी कैलाश चंद्र को ज्ञापन सौंपकर पुलिस की कार्यशैली पर नाराजगी जताई गई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि चिड़ावा कस्बे के वार्ड नंबर 15 निवासी विक्रम पुत्र संजय एवं सरोज पत्नी संजय पिछले तीन-चार माह से न्याय की मांग को लेकर थाने के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन पुलिस की निष्क्रिय कार्यशैली के चलते उनकी सुनवाई नहीं हो रही है और ना ही अब तक एफआईआर दर्ज की गई है। ज्ञापन में मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी गई। इस दौरान सुमन मेघवाल के साथ पीड़िता सरोज, विक्रम, जगदीश महरानिया, जयकरण सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

ऑफिस में आपकी इमेज खराब कर देंगी ये आदतें

आप ऑफिस में अपना काम तो कम लगाकर करते हैं और आपका काम भी बहुत अच्छा है, लेकिन अगर आपने ये पांच गलतियां कीं तो सारी मेहनत धरी की धरी रह जाएगी। आपकी कुछ आदतें ऑफिस में आपको बदनाम कर सकती है, अब भले ही आपका काम अच्छा क्यों न हों। आइए जानते हैं ऐसी कौन सी 5 आदतें हैं जिन्हें सुधारना जरूरी है:

- क्या आप उनमें से हैं जो ऑफिस का डेकोरम मेनटेन नहीं रखते। सबसे पहले आप अपने आने का समय चेक कीजिए। क्या आप रोजाना लेट पहुंचते हैं? आपकी यह लेटलतीफी आपकी इमेज को नुकसान पहुंचा सकती है।
- आपने यह बात नोटिस की है कि आप इधर की बातें उधर करते हैं। अगर हां, तो तुरंत ही गॉसिपिंग की आदत छोड़ दें। अगर आप एक सहकर्मी की बुराई दूसरे सहकर्मी के सामने करेंगे तो इससे नेगेटिव इमेज पेश होगी। वहीं ऑफिस का माहौल बिगाड़ने का दोष भी आपके सर पर होगा।
- आपने इस बात को शायद ही सोचा होगा लेकिन ऑफिस में भी आपकी साफ-सफाई की आदतें नोटिस की जाती है। अगर आप अपनी डेस्क अस्त-व्यस्त और साफ नहीं होगी तो दूसरे आपसे कतराएंगे।
- कहीं भी, कुछ भी कहने की आदत आपमें तो नहीं? आपकी बोली में कहीं रूखापन तो नहीं? अगर ऐसा है तो आपको अपने एटिट्यूड को बदलना होगा। आपको सीनियर हो या जूनियर सभी से ऑफिस में विनम्रता से बात करनी चाहिए।
- अगर आप ऑफिस के फोन या फिर अपने मोबाइल पर तेज आवाज में बात करते हैं या फिर आपके मोबाइल की रिंगटोन काफी तेज है तो यह आपके आस-पास बैठे सभी लोगों को डिस्ट्रैक्ट और इरिटेट कर सकता है।

जब बात प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की होती है, तो विद्यार्थियों के सामने एक दुविधा यह पेश आती है कि वे किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ाई करें या फिर ऑनलाइन कोचिंग का सहारा लें। स्थिति इस बात से और जटिल हो जाती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने का कोई एक रास्ता ही नहीं होता। जहां कुछ युवा कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में पढ़कर परीक्षा क्रैक कर देते हैं, वहीं कुछ अन्य युवा ऑनलाइन पढ़ाई करके सफलता पा लेते हैं।

कोचिंग इंस्टीट्यूट या ऑनलाइन कोचिंग कौन-सा रास्ता बेहतर

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा को क्रैक करना आसान नहीं होता। इसमें गंभीरता से तैयारी करने और पढ़ाई के प्रति प्रतिबद्ध रहने की जरूरत होती है। फिर चाहे वह बैंकिंग की परीक्षा हो, एसएससी सीजीएल परीक्षा हो या फिर आईएएस/ पीएससी परीक्षाएं हों। जब बात प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की होती है, तो विद्यार्थियों के सामने एक दुविधा यह पेश आती है कि वे किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ाई करें या फिर ऑनलाइन कोचिंग का सहारा लें। स्थिति इस बात से और जटिल हो जाती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने का कोई एक रास्ता ही नहीं होता। जहां कुछ युवा कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में पढ़कर परीक्षा क्रैक कर देते हैं, वहीं कुछ अन्य युवा ऑनलाइन पढ़ाई करके सफलता पा लेते हैं। ऐसे में यह हर परीक्षार्थी पर निर्भर करता है कि वह अपने लिए कौन-सा रास्ता चुनता है। कोचिंग इंस्टीट्यूट और ऑनलाइन पढ़ाई दोनों के ही सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्ष हैं। आपको चाहिए कि आप इन दोनों पक्षों को तौलकर फैसला करें कि आपके लिए कौन-सा रास्ता मुफीद रहेगा। तो चलिए, इन दोनों ही रास्तों के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर नजर दौड़ाते हैं।

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स

परंपरागत तौर पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने में कोचिंग इंस्टीट्यूट्स अग्रणी रहे हैं। यहां तक कि कोचिंग उद्योग अपने आप में एक बेहद सफल और कमाऊ उद्योग बन गया है। बड़े से लेकर छोटे शहरों तक में कोचिंग संस्थानों की बहार है। जहां कई विद्यार्थी इन संस्थानों की कोचिंग का लाभ लेकर विभिन्न परीक्षाओं में टॉप करते आए हैं, वहीं ऐसे भी विद्यार्थी हैं, जिन्होंने कोचिंग इंस्टीट्यूट्स पर भारी खर्च किया मगर नतीजा सिफर ही रहा।

मार्गदर्शन

किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट में जाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि वहां आपको शिक्षकों का मार्गदर्शन और मेंटरशिप मिलती है। इन संस्थानों में नियुक्त किए जाने वाले शिक्षकों के पास प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधी व्यापक अनुभव और ज्ञान होता है। इसलिए वे विद्यार्थियों के हुनर को मांजकर और उनकी कमजोरियों को ताकत में बदलकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सही राह दिखाने में सक्षम होते हैं।

स्टडी मटेरियल

कोचिंग क्लासेज में पैकेज के तहत जो स्टडी मटेरियल उपलब्ध कराया जाता है, वह विशेषज्ञों द्वारा एग्जाम पैटर्न और संपूर्ण सिलेबस के गहराई से अध्ययन के बाद तैयार किया जाता है। इसलिए इस मटेरियल में परीक्षा में महत्व के अनुसार टॉपिक्स कवर किए जाने की अधिक संभावना रहती है।

टाइम मैनेजमेंट, अनुशासन

जो उम्मीदवार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अभी नए हैं, उनके लिए समय प्रबंधन करना और पढ़ाई के मामले में अनुशासन का पालन करना जरा कठिन होता है। फिर यह भी है कि कई युवा अपनी अकादमिक पढ़ाई के साथ-साथ या फिर जॉब के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। ऐसे युवा यदि कोचिंग इंस्टीट्यूट जॉइन करते हैं, तो यह सुनिश्चित हो जाता है कि वे अपनी तैयारी के लिए एक निश्चित समय और प्रयास हर हाल में देते ही हैं।

ऑनलाइन तैयारी के फायदे

ऑनलाइन पढ़ाई का सबसे बड़ा फायदा यही होता है कि यह उम्मीदवारों में सेल्फ स्टडी को बढ़ावा देती है। कई जानकार मानते हैं कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सेल्फ स्टडी ही श्रेष्ठ होती है। इससे परीक्षार्थी अपनी सुविधा और जरूरत के अनुसार तैयारी की रणनीति बनाता है। साथ ही एक फायदा यह है कि इससे हर परीक्षार्थी अपनी ताकत और कमजोरी को अच्छी तरह पहचान पाता है।

जहां तक स्टडी मटेरियल का सवाल है, ऑनलाइन जगत में इसकी कोई कमी नहीं है। यहां आपको कोचिंग इंस्टीट्यूट्स तथा स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया बेहतरीन स्टडी मटेरियल मिल जाएगा। यही नहीं, यह मटेरियल अलग-अलग फॉर्मेट में उपलब्ध होता है, जिससे परीक्षार्थी के पास अपनी जरूरत के मुताबिक चुनने के लिए विकल्प रहते हैं।

ऑनलाइन तैयारी का एक और फायदा होता है इसका किफायती होना। कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के मुकाबले ऑनलाइन शिक्षा संसाधन कहीं कम दामों पर उपलब्ध होते हैं। कुछ संसाधन तो निशुल्क उपलब्ध होते हैं। यही नहीं, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आपके पास यह विकल्प भी होता है कि आप चाहें, तो केवल उतना ही स्टडी मटेरियल, क्वेश्चन पेपर, ऑनलाइन वीडियो आदि खरीदें, जितने की आपको जरूरत है। इस प्रकार भी आपके पैसे की बचत हो सकती है।

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के नुकसान

कमतर शिक्षण स्तर

कोचिंग इंसटीट्यूट्स की अक्सर इस बात के लिए आलोचना की जाती है कि इनमें से कई में शिक्षण का स्तर कमतर होता है। कई कोचिंग संस्थान ऐसे लोगों को अपने यहां पढ़ाने के लिए रख लेते हैं, जो स्वयं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल नहीं हो पाए। ऐसे लोगों के पास भले ही प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधी जानकारी और अनुभव हो पर यह कतई जरूरी नहीं कि वे अच्छे शिक्षक भी होंगे। सही टीचिंग तकनीक भी जरूरी होती है।

स्टडी मटेरियल की गुणवत्ता

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स का स्टडी मटेरियल परीक्षा के पैटर्न के लिहाज से प्रभावी तो होता है मगर अक्सर कोचिंग संस्थान जो मटेरियल प्रदान करते हैं, वह कालातीत (आउटडेटेड) और परंपरावादी होता है। इधर प्रतियोगी परीक्षाएं साल-दर-साल अधिक कठिन होती जा रही हैं और इनके पैटर्न में बार-बार परिवर्तन हो रहे हैं। ऐसे में पुराने ट्रैंड के अनुसार तैयार किया गया स्टडी मटेरियल परीक्षार्थियों के किसी काम का नहीं रहता।

व्यक्तिगत ध्यान नहीं

कोचिंग संस्थान तगड़ी फीस तो लेते हैं मगर वे क्लासरूम फॉर्मेट में ही काम करते हैं। एक क्लास में जितने अधक विद्यार्थी हों, संस्थान का उतना ही लाभ होता है। ऐसे में कई संस्थान एक-एक क्लास में ढेरों विद्यार्थियों को ठूंस देते हैं। इस कारण विद्यार्थियों की ओर व्यक्तिगत ध्यान देना संभव नहीं रहता।

ऑनलाइन तैयारी

ऑनलाइन एजुकेशन कोचिंग की परंपरा के मुकाबले काफी नया है। आज लिखित स्टडी मटेरियल और ऑडियो-वीडियो संसाधन दोनों ही के रूप में विभिन्ना परीक्षाओं की तैयारी के लिए भरपूर सहायता ऑनलाइन उपलब्ध है। यही कारण है कि ऐसे युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी ऑनलाइन करना पसंद करते हैं।

ऑनलाइन तैयारी के नुकसान

सीमित पहुंच

ऑनलाइन तैयारी की सबसे बड़ी खामी है इसकी सीमित पहुंच। काफी विस्तार के बावजूद आज भी हमारे देश के कई दूर-दराज हिस्सों में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध नहीं है। जहां है, वहां भी अक्सर नेटवर्क की समस्या बनी रहती है। ऐसे में दूर- दराज के छोटे शहरों व गांवों में रहने वाले युवाओं के लिए तो यह पढ़ाई का विश्वसनीय स्रोत नहीं हो सकता।

मेंटरशिप का अभाव

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आपको बेहतरीन स्टडी मटेरियल तो मिल सकता है लेकिन यहां मेंटरशिप की कमी बहुत खलती है। किसी ट्यूटर की ओर से व्यक्तिगत ध्यान न मिल पाने के कारण उम्मीदवार अक्सर किसी क्लिष्ट कॉन्सेप्ट को लेकर भ्रमित नजर आते हैं। अपने डाउट क्लियर करने के लिए उनके पास कोई नहीं होता। ऑनलाइन तैयारी में आपको अनुभवी ट्यूटर्स के अनुभव का लाभ नहीं मिल पाता।

जानकारी की बाढ़

इंटरनेट पर दुनिया भर का ज्ञान उपलब्ध है मगर कभी-कभी इसकी यही खासियत इसकी खामी बन जाती है। जब आप यहां कोई खास जानकारी तलाशते हैं, तो आपके पास जरूरी के साथ-साथ बहुत-सी गैर-जरूरी जानकारी की बाढ़ आ जाती है। जानकारी की यह अति परीक्षा की तैयारी में बाधा ही डालती है, जबकि आपको फोकस्ड पढ़ाई करने की जरूरत होती है।

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनिंग का कोर्स करें मिलेगा कॅरियर ग्रोथ

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी ऐसे कोर्स की तलाश में हैं, जहां पर आपके कॅरियर ग्रोथ के साथ अच्छा पैसा कमा सकें। तो बता दें कि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन कॅरियर आप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गेमिंग इंडस्ट्री के बारे में जरूरी जानकारी देने जा रहे हैं।

बता दें कि इस फील्ड में आने के बाद आपको किस तरह का कॅरियर ग्रोथ मिलेगा। इस फील्ड में आने के लिए क्या क्वालिफिकेशन चाहिए होती है, इन सारे सवालों के जवाब आपको इस आर्टिकल में मिलेंगे। ऐसे में अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। वर्तमान समय की बात करें तो देश में गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से ज्यादा लोग फुल टाइम वर्क कर रहे हैं। जिसमें से 30 फीसदी लोग प्रोग्रामर और डेवलपर के तौर पर काम कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह फील्ड 20-30 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करेगा। वहीं इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनर

गेम डिजाइनर गेम के कैरेक्टर्स, गेम के लेवल के अलावा तमाम बारीकियों को ध्यान में रखकर उसे इंट्रेस्टिंग बनाने पर फोकस करते हैं। वहीं गेम राइटर डायग्राम आदि बनाकर उसके अलग-अलग वर्जन को तैयार करते हैं। गेम डिजाइनर को टेक्निकल नॉलेज होने के साथ ही सोच में क्रिएटिविटी भी होनी चाहिए। गेम तैयार करने के लिए उसकी डिजाइन, डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और अन्य प्रोफेशनल की टीम एक साथ वर्क करती है।

क्वालिफिकेशन

- छात्र ने साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास किया हो।
- कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की नॉलेज होना जरूरी होता है।
- गेम डिजाइनर बनने के लिए आपकी इंग्लिश भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है।
- इस फील्ड में आप गेम डिजाइनिंग, गेम डेवलपिंग, आर्ट, एनिमेशन, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर ग्राफिक्स, इलस्ट्रेशन या मार्केटिंग में बैचलर डिग्री या पेशेवर सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

- गेमिंग फील्ड में कॅरियर बनाने वाले स्टूडेंट्स के पास कैरेक्टर डिजाइन, एनिमेशन, कांसेप्ट आर्ट और विजुअल इफेक्ट की जानकारी होनी चाहिए।
- इस फील्ड में 2 डी गेम डेवलपर्स, 3 डी गेम डेवलपर्स और जावा आदि में अपार संभावनाएं हैं।
- इस फील्ड में डिजाइनिंग के साथ 2डी सॉफ्टवेयर और 3डी मॉड्यूलिंग की नॉलेज होना बहुत जरूरी है।
- ऑडियो इंजीनियर के लिए युवाओं के पास साउंड इंजीनियरिंग और अन्य लैंग्वेज की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

जॉब प्रोफाइल

इस फील्ड में युवा एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, ऑडियो इंजीनियर, गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोड्यूसर, मैनेजर्स, कास्टर्स, ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स के तौर पर अपना कॅरियर बना सकते हैं।

सैलरी

इस क्षेत्र में अपना कॅरियर शुरू करने पर आपको 3 से 5 लाख रुपये सालाना की नौकरी आसानी से मिल जाती है। वहीं एक्सपीरियंस बढ़ने पर सालाना 13 से 15 लाख तक का भी पैकेज उठा सकते हैं। बता दें कि गेम प्रोड्यूसर इस फील्ड में सालाना 10 लाख रुपए तक कमा रहे हैं।

बुहाना कस्बे में पेयजल संकट गहराया, बूंद-बूंद पानी को तरस रहे लोग

25 हजार की आबादी को चाहिए 16.29 लाख लीटर पानी, मिल रहा मात्र 4.50 लाख लीटर

कई वार्डों में महीनों से नहीं पहुंचा पानी, ग्रामीण 600 रुपए में मंगवा रहे टैंकर

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

भीषण गर्मी के बीच बुहाना कस्बे में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। कस्बे के लोगों के सामने पीने के पानी की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। जलदाय विभाग की सप्लाई लाइन पूरे कस्बे में बिछी होने के बावजूद अधिकांश वार्डों में समय पर पानी नहीं पहुंच रहा। कहीं महीने में एक बार तो कहीं दो महीने में एक बार पानी की सप्लाई हो रही है, वहीं कुछ वार्ड ऐसे भी हैं जहां छह महीने से नलों में पानी की बूंद तक नहीं आई। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग द्वारा मात्र 20 से 30 मिनट पानी छोड़ा जाता है और उसमें भी बदबूदार एवं पीने योग्य नहीं होने वाला पानी आता है। ऐसे में लोगों को मजबूरी में महंगे दामों पर निजी पानी के टैंकर मंगवाकर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है। कस्बे में एक टैंकर के लिए लोगों को करीब 600 रुपए तक खर्च करने पड़ रहे हैं। जलदाय विभाग का दावा है कि कस्बे में 22 निशुल्क पानी के टैंकर डलवाए जा रहे हैं, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि वास्तविक स्थिति इससे अलग है। जानकारी के अनुसार इनमें से 8 टैंकर सार्वजनिक टंकियों में डाले जा रहे हैं, जबकि 14 टैंकर पीएचईडी की टंकियों में खाली किए जा रहे हैं। इसके बावजूद आम लोगों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। कई परिवार दूर-दराज क्षेत्रों से पानी भरकर ला रहे हैं, जबकि कई लोग निजी टैंकरों पर निर्भर हो चुके हैं। बुहाना कस्बे में जलदाय विभाग की चार पानी की टंकियों से पेयजल सप्लाई की जाती है। विभाग के अनुसार कस्बे में 2431 पानी के कनेक्शन हैं।जलदाय विभाग के जेईएन विजेंद्र रावत ने बताया कि विभाग के पास कुल 20 बोरवेल हैं, जिनमें से 13 बोरवेल सूख चुके हैं। वर्तमान में केवल 7 बोरवेल चालू हालत में हैं और उन्हीं से पानी की पूर्ति की जा रही है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार कस्बे की आबादी को प्रतिदिन 16 लाख 29 हजार लीटर पानी की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान में मात्र 4 लाख 50 हजार लीटर पानी ही उपलब्ध हो पा रहा है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि कस्बे की आबादी करीब 25 हजार है और उपलब्ध पानी इस जनसंख्या के लिए बेहद कम है।वार्ड नंबर 4 के ग्रामीणों ने बताया कि उनके क्षेत्र में छह महीने में केवल एक बार पानी की सप्लाई दी गई, वह भी मात्र 20 मिनट के लिए। ग्रामीणों का कहना है कि वार्ड में न तो कोई सार्वजनिक पानी की टंकी है और न ही विभाग द्वारा निशुल्क पानी के टैंकर भेजे जा रहे हैं।लोगों ने बताया कि कई बार विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। मजबूरी में लोगों को या तो दूर से पानी लाना पड़ता है या महंगे दामों में टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं।

लक्ष्मी विहार में एक साल से नहीं हुई जल सप्लाई

लक्ष्मी विहार के सामाजिक कार्यकर्ता भरत बोहरा ने बताया कि वार्ड में पिछले एक साल से घरों के नलों में पानी की सप्लाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि वार्ड में सार्वजनिक टंकी भी नहीं है और विभाग की ओर से निशुल्क टैंकर भी नहीं भेजे जा रहे।उन्होंने बताया कि वार्डवासी 600 रुपए खर्च कर निजी टैंकरों से पानी मंगवाने को मजबूर हैं। गर्मी हो या सर्दी, लोगों को पैसे देकर ही पीने के पानी की व्यवस्था करनी पड़ती है।

वार्ड नंबर 16 में बदबूदार पानी की सप्लाई

वार्ड नंबर 16 के निवासियों ने बताया कि क्षेत्र में 40 से 45 दिन में एक बार पानी की सप्लाई होती है और वह भी केवल 30 मिनट के लिए। लोगों का आरोप है कि सप्लाई लाइन में आने वाला पानी बदबूदार होता है, जिसे पीने के उपयोग में नहीं लिया जा सकता। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग द्वारा टैंकर नहीं भेजे जाने के कारण उन्हें एक से दो किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ता है।

पशुपालकों के सामने भी संकट

पंचायत समिति सदस्य राजपाल सिंह तवर ने बताया कि कस्बे में पेयजल समस्या विकराल रूप ले चुकी है। लोगों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है और पशुधन पालने वालों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि विभाग कहीं 15 दिन में, कहीं महीने में और कहीं दो महीने में पानी की सप्लाई कर रहा है, वह भी 20 से 25 मिनट के लिए, जिससे लोगों की जरूरत पूरी नहीं हो पा रही। कस्बे में कुल 20 बोरवेल हैं, जिनमें से 13 सूख चुके हैं और केवल 7 चालू हालत में हैं। दो बड़ी पानी की टंकियों से सप्लाई की जा रही है। कस्बे में करीब 2431 पानी के कनेक्शन हैं और लगभग 25 हजार की आबादी निवास करती है। प्रतिदिन 16 लाख 29 हजार लीटर पानी की आवश्यकता के मुकाबले मात्र 4 लाख 50 हजार लीटर पानी उपलब्ध हो पा रहा है। कस्बे में करीब 15 सार्वजनिक पानी की टंकियां हैं, लेकिन इसके बावजूद लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा।भीषण गर्मी के बीच बुहाना कस्बे में गहराते पेयजल संकट ने आमजन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लोग अब जल्द स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं ताकि उन्हें बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष न करना पड़े।

नवीन जॉब चार्ट के विरोध में आयुर्वेद नर्सेज 25 मई को अजमेर में करेंगे प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

आयुर्वेद निदेशालय द्वारा जारी नवीन जॉब चार्ट के विरोध में आयुर्वेद नर्सेज ने आंदोलन तेज कर दिया है। झुंझुनूं जिला अध्यक्ष नरेश कुमार यादव ने बताया कि निदेशालय ने नर्सेज संगठनों की बात सुने बिना केवल चिकित्सकों के सुझावों के आधार पर जॉब चार्ट लागू करने का प्रयास किया है, जिसका नर्सेज विरोध कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 25 मई 2026 को अजमेर स्थित आयुर्वेद निदेशालय पर पूरे राजस्थान के आयुष नर्सेज धरना-प्रदर्शन, घेराव और तालाबंदी कर विरोध दर्ज करवाएंगे। जब तक नर्सेज की बात नहीं सुनी जाएगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। यादव ने बताया कि प्रदर्शन में झुंझुनूं जिले से भी सैकड़ों आयुर्वेद नर्सेज भाग लेंगे। नर्सेज संगठनों ने विभाग से मांग की है कि नवीन जॉब चार्ट लागू करने से पहले नर्सेज प्रतिनिधियों से वार्ता कर उनकी आपत्तियों और सुझावों को शामिल किया जाए।

भीषण गर्मी में गौवंश को तरबूज खिलाकर मनाई शादी की 51वीं वर्षगांठ, 3046 किलो तरबूज भेंट कर गौसेवा का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । टीकमदास आश्रम में संचालित कामधेनु निराश्रित गौशाला में आज गोविंद राम हलवाई ने अपनी शादी की 51वीं वर्षगांठ अनोखे अंदाज में मनाई। भीषण गर्मी को देखते हुए उन्होंने गौवंश को शीतल तरबूज खिलाकर गौसेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर गोविंद राम हलवाई ने अपनी पत्नी विमला देवी एवं परिवारजनों के साथ गौशाला पहुंचकर गौवंश को तरबूज खिलाए। उन्होंने गौवंश के लिए 3046 किलो तरबूज भेंट किए। परिवार ने सेवा भाव के साथ गौवंश की देखभाल करते हुए अपनी वर्षगांठ को यादगार बनाया। कार्यक्रम में कमल, कपिल, सीमा, कृष्णा, ललिता, किरण, सिया और धैर्य सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। अंत में किशोर सिंह, रविंद्र शर्मा, जयप्रकाश सोनी ने सभी का दुपट्टा पहनाकर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर गौसेवा और जीवों के प्रति संवेदनशीलता का संदेश भी दिया गया।

बाजीसर में ट्रांसफार्मर (डीपी) में भीषण आग, ग्रामीणों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

दमकल नहीं पहुंची, ग्रामीणों ने खुद संभाला मोर्चा; मंडावा की फायर व्यवस्था पर उठे सवाल

बाजीसर में ट्रांसफार्मर में भीषण आग, ग्रामीणों की तत्परता से टला बड़ा हादसा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा विधानसभा क्षेत्र के निकटवर्ती गांव बाजीसर में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब विद्युत विभाग के ट्रांसफार्मर (डीपी) में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया और बड़ी दुर्घटना की आशंका पैदा हो गई। हालांकि ग्रामीणों की सतर्कता, एकजुटता और साहस से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों के अनुसार ट्रांसफार्मर में आग लगने के बाद लपटें तेजी से उठने लगीं और आग विकराल रूप लेने लगी। स्थिति गंभीर होती देख ग्रामीणों ने तुरंत दमकल विभाग, बिजली विभाग और मंडावा प्रशासन को सूचना देकर मदद मांगी। लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद समय पर राहत नहीं पहुंच सकी। बताया गया कि मंडावा फायर ब्रिगेड ने गाड़ी खराब होने का हवाला देते हुए मौके पर पहुंचने में असमर्थता जताई। प्रशासनिक मदद नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने खुद मोर्चा संभाला। गांव के लोगों ने बाल्टियों, मटकों और मिट्टी की सहायता से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत और सामूहिक प्रयासों के बाद ग्रामीणों ने आग पर नियंत्रण पा लिया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से बड़ी जनहानि और आसपास के क्षेत्र में संभावित नुकसान टल गया। घटना के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए। राहत एवं बचाव कार्य में समाजसेवी अमित मीणा, रामकुमार मीणा, मूलचंद निर्मल, अरविंद सैनी, रोहित कुमार, अशोक कुमार, ओमप्रकाश कुमार, राकेश कुमार, शक्ति कुमार, विक्रम कुमार, पवन कुमार सहित कई ग्रामीणों ने सक्रिय भूमिका निभाई। ग्रामीणों की तत्परता और एकजुटता ने एक बड़े संकट को टालने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने मंडावा क्षेत्र की दमकल व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों पर सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि मंडावा जैसे ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण क्षेत्र में पर्याप्त फायर ब्रिगेड संसाधन उपलब्ध होने चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से तुरंत और प्रभावी तरीके से निपटा जा सके।फिलहाल इस घटना ने क्षेत्र की आपातकालीन सेवाओं और दमकल व्यवस्था की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखने वाली बात होगी कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाता है।

मुंडावर में पानी के लिए हाहाकार, तिनकीरूडी में लीकेज से रोज हजारों लीटर पानी बर्बाद

पीएचईडी की लापरवाही से ग्रामीणों में आक्रोश

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना?।

रमेश चन्द । एक ओर पूरा मुंडावर कस्बा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्र भीषण जल संकट से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की घोर लापरवाही के कारण रोज हजारों लीटर पीने का पानी बर्बाद हो रहा है। ताजा मामला मुंडावर नगरपालिका को जलापूर्ति करने वाले तिनकीरूडी गांव से सामने आया है, जहां मुख्य पाइप लाइन में बड़े लीकेज के चलते पानी खेतों और रास्तों में बह रहा है। स्थानीय निवासी धर्मेंद्र सिंघल ने बताया कि तिनकीरूडी स्थित बोरिंग से मुंडावर के लिए पानी सप्लाई किया जाता है। यह बोरिंग दिन में करीब 10 घंटे चलती है, लेकिन मुख्य पाइप में लीकेज होने के कारण रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बहकर कीचड़ में तब्दील हो रहा है। सिंघल के अनुसार, मुंडावर नगरपालिका क्षेत्र का हर वार्ड पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहा है। लोगों को टैंकरों के लिए मोटी रकम चुकानी पड़ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि जलदाय विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सिर्फ दफ्तरों में बैठकर समय काट रहे हैं। धरातल पर हो रही पानी की बर्बादी से उन्हें कोई सरोकार नहीं है। ग्रामीणों में इस लापरवाही को लेकर भारी रोष है। उन्होंने मांग की है कि ऐसे लापरवाह कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और पीएचईडी के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि डैमेज सिस्टम को तुरंत सुधारा जाए, लीकेज को दुरुस्त कर मुंडावर की जनता तक पानी पहुंचाया जाए और जिम्मेदार कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

नीमराना में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा का भव्य अभिनंदन समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

डॉ. राजेंद्र सिंह खटाना को आईटी सेल का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

रमेश चन्द । एरिस होटल नीमराना में बुधवार को अखिल भारतीय गुर्जर महासभा की ओर से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशचंद्र भाटी, संगठन मंत्री डॉ. रूप सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयप्रकाश विकल, उत्तर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुनील भाटी, जिला अध्यक्ष अशोक भाटी, उपाध्यक्ष विपिन तंवर, राष्ट्रीय मंत्री युवा महासभा अरुण भाटी सहित अन्य पदाधिकारियों का हार्दिक अभिनंदन किया गया। समारोह की शुरुआत वीर गुर्जर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशचंद्र भाटी ने कहा कि महासभा समाज के विकास, सशक्तिकरण और समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि समाज को संगठित और शिक्षित बनाने के लिए महासभा द्वारा कई योजनाओं पर काम किया जा रहा है। संगठन मंत्री डॉ. रूप सिंह ने महासभा की विचारधारा, सामाजिक विविधता और कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला। पूर्व कर्मचारी संघ प्रदेश अध्यक्ष मूलचंद गुर्जर ने कहा कि अखिल भारतीय गुर्जर महासभा समाज के उत्थान और सामाजिक जागरूकता के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। इस अवसर पर संगठन को तकनीकी रूप से मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए डॉ. राजेंद्र सिंह खटाना को राजस्थान प्रदेश आईटी सेल का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपकर समाज को एआई और आधुनिक तकनीक से जोड़ने तथा महासभा को डिजिटल दिशा देने की जिम्मेदारी दी गई। समारोह में मूलचंद गुर्जर, जोगिंदर ओला, राजवीर गुरु, पितराम दयमा, जगदीश गुर्जर, सुनील कुमार कौशिक, राजेश, रवि चौधरी, हेमंत चौधरी, वंदना स्वामी, रश्मि चौधरी, गौरव गुर्जर, नब्बराम गुर्जर, तिलक कराना, सोनू चौधरी, संजीव, अमित सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह का समापन समाज की एकता, विकास और संगठन को और मजबूत बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

'संडे ऑन साईकिल' अभियान के तहत योग एवं साइकिल रैली का आयोजन आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

भारतीय खेल प्राधिकरण (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय) भारत सरकार के फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत झुन्झुनूं पुलिस द्वारा 24 मई 2026 को 'संडे ऑन साईकिल' अभियान के तहत योग एवं साइकिल रैली का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य पुलिस एवं आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, नियमित व्यायाम को प्रोत्साहित करना तथा फिट एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के तहत सामुदायिक भवन रिजर्व पुलिस लाइन, झुन्झुनूं में प्रातः 6 बजे योग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात सुबह 6:30 बजे साइकिल रैली सामुदायिक भवन रिजर्व पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर शहीद स्मारक तक निकाली जाएगी। रैली में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट्स, छात्र-छात्राएं तथा आमजन उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को फिटनेस, नियमित व्यायाम, साइकिलिंग के स्वास्थ्य लाभ तथा नशामुक्त एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना ही नहीं, बल्कि पुलिस और समाज के बीच बेहतर समन्वय एवं सकारात्मक संबंध स्थापित करना भी है। झुन्झुनूं पुलिस ने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस जन-जागरूकता अभियान का हिस्सा बनने तथा 'फिट इंडिया, स्वस्थ भारत' के संकल्प को मजबूत करने की अपील की है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर अलवर के पास पलटी सवारियों से भरी बस, 40 यात्री घायल; 6 की हालत गंभीर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर अलवर के समीप गुरुवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। सवारियों से भरी एक निजी बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें करीब 40 यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस तेज गति में थी और अचानक चालक का नियंत्रण बिगड़ने से वह डिवाइडर से टकराकर पलट गई। बस में सवार अधिकांश यात्री नींद में थे, जिससे चोटें अधिक आईं। हादसे में करीब आधा दर्जन सवारियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत अलवर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गंभीर रूप से घायल यात्रियों का आईसीयू में उपचार चल रहा है। पुलिस ने क्रेन की मदद से बस को हटवाकर यातायात बहाल कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में ओवरस्पीडिंग और चालक को झपकी आने की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन ने घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं।

पीएम श्री विद्यालय घरड़ाना खुर्द में अभिरुचि शिविर का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

पीएम श्री महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम शहीद कुलदीप सिंह राव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, घरड़ाना खुर्द में विद्यार्थियों के समग्र विकास के उद्देश्य से अभिरुचि शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कैंप प्रभारी व्याख्याता अंजु ने बताया कि राजस्थान के पीएम श्री विद्यालयों में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए 16 मई से 20 जून 2026 के बीच 15 दिवसीय 'अभिरुचि शिविर' (समर कैंप) आयोजित किया जा रहा है। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों की अभिरुचियों, रचनात्मकता एवं छिपी प्रतिभाओं का विकास करना है, ताकि विद्यालयों को आनंददायक शिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके। स्थानीय विद्यालय में आयोजित शिविर के दौरान नृत्य प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को नृत्य कला से परिचित करवाते हुए जीवन में नृत्य के महत्व पर प्रकाश डाला। बाहरी प्रशिक्षक सरजीत राव ने योग एवं प्राणायाम की जानकारी दी, जबकि विकास राव ने नाटक एवं स्थानीय कला के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। वहीं अनिल राव ने बेसिक डिजिटल साक्षरता और आत्मविश्वास बढ़ाने से संबंधित जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य ओमप्रकाश पूनिया सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र बबली पहुंचे बलदेव सैनी के शिक्षा संस्थान पर

दसवीं के शानदार परिणाम की बधाई दी

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र सिंह बबली भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी के शिक्षा संस्थान पर पहुंचे। नगर परिषद की वाइस चेयरपर्सन नीरू सैनी तथा विद्यालय के अध्यापक मंडल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान देवेंद्र बबली ने कहा कि वह यहां किसी औपचारिक कार्यक्रम में नहीं, बल्कि अपने परिवार के बीच आए हैं। उन्होंने उपस्थित जनों से आत्मीय एवं पारिवारिक वातावरण में बातचीत की तथा विद्यालय की गतिविधियों की जानकारी ली। बबली ने दसवीं कक्षा के शानदार परिणाम की बच्चों व स्कूल अध्यापकगण को बधाई दी। उन्होंने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन और खेलकूद को भी आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि विद्यालय समाज निर्माण की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और शिक्षकों की भूमिका राष्ट्र के भविष्य को संवारने में सबसे अहम होती है। बलदेव सैनी ने संस्थान की ओर से देवेंद्र बबली का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए प्रेरणादायक है। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सदस्यों ने भी उनसे विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

झड़ाया बजरंग धाम आश्रम पर विशाल धर्म सभा का आयोजन आज

जगद्गुरु बाहुबली आचार्य पीठाधीश्वर बलदेव दास जी महाराज भी रहेंगे उपस्थित

धर्म सभा में आगामी यज्ञ की तैयारियों को लेकर किया जाएगा विचार विमर्श

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

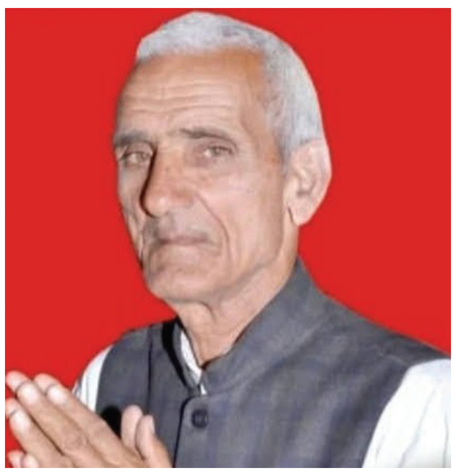

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झड़ाया बजरंग धाम आश्रम पर आज रविवार को शाम 4:00 बजे यज्ञ की तैयारियों को लेकर विशाल धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। 108 कुंडिय श्री राम महायज्ञ को लेकर विशाल धर्म सभा में चर्चा की जाएगी द्य यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 सीताराम दास महाराज की सानिध्य में धर्म सभा का आयोजन 24 मई शाम 4:00 बजे से होने जा रहा है। उदयपुरवाटी के झड़ाया में बजरंग धाम आश्रम पर 17 जून से आयोजित होने वाले 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ को लेकर 24 मई 2026 को शाम 4:00 बजे से विशाल धर्म सभा का आयोजन होने जा रहा है। मीडिया प्रभारी अशोक जांगिड़ के मुताबिक इस विशाल सभा में जगतगुरु बाहुबली आचार्य पीठाधीश बलदेव दास आचार्य जी महाराज भी उपस्थित रहेंगे। यज्ञ समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने बताया कि इस विशाल धर्म सभा में आगामी जून माह में होने वाले श्रीराम महायज्ञ को लेकर विभिन्न तैयारी पर चर्चाएं की जाएगी अतः सभी यज्ञ प्रेमियों से निवेदन है की झड़ाया धाम आश्रम में होने वाले विशाल धर्म सभा में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचे द्य

रैगर महासभा ने डॉ. सत्यनारायण धोलपुरिया को किया सम्मानित: टोबैको कंट्रोल कैंपेन में विशेष योगदान के लिए मिला सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चूरू।

चूरू की अखिल भारतीय रैगर महासभा ने शनिवार को गंगा माता मंदिर में टोबैको कंट्रोल कैंपेन के स्टेट नोडल अधिकारी डॉ. सत्यनारायण धोलपुरिया का सम्मान किया। यह सम्मान उन्हें टोबैको कंट्रोल कैंपेन 2025-26 के सफल क्रियान्वयन के लिए दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा राजस्थान सरकार को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। डॉ. धोलपुरिया को विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31 मई) पर भी सम्मानित किया जाएगा। महासभा ने उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें शॉल और साफा पहनाकर सम्मानित किया। रैगर महासभा के जिलाध्यक्ष हजारीमल बाकोलिया ने कार्यक्रम का विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि डॉ. धोलपुरिया की उपलब्धि पर समाज को गर्व है। तहसील चूरू इकाई के महासचिव पूनमचंद बाकोलिया ने स्वागत भाषण दिया, जबकि चूरू तहसील अध्यक्ष विजेंद्र कानखेड़िया ने समाज उत्थान में डॉ. धोलपुरिया के योगदान की सराहना की। इस अवसर पर डॉ. धोलपुरिया ने राजस्थान सरकार द्वारा तंबाकू सेवन के घातक परिणामों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए चलाए जा रहे अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सरकार द्वारा उन्हें यह पुरस्कार दिया जा रहा है।

कार्यक्रम में महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेंद्र बाकोलिया, देवीदत्त गढ़वाल, चानणमल बाकोलिया, बिड़दीचंद रसगनिया, गणेश कुमार गहनोलिया, डॉ. अमित कानखेड़िया, डॉ. राजेंद्र गहनोलिया, डॉ. तनुज़ा बाकोलिया और डॉ. मनीषा बाकोलिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर आनंद रछोया, गणेशनारायण माछलपुरिया, जगनलाल अलवरिया, हंसराज सबलानिया, हंसराज रसगनिया, ताराचंद कानखेड़िया, पवन बाकोलिया, रामचंद्र बाकोलिया, सुरेश बाकोलिया, शिवलाल खटनावलिया, भंवरलाल माछलपुरिया, धन्नाराम माछलपुरिया, बाबूलाल अलवरिया और प्रकाश गढ़वाल सहित कई अन्य सदस्य मौजूद थे।

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता शिविर का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम द्वारा राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फतेहाबाद में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नागरिक अस्पताल, फतेहाबाद के मनोरोग विशेषज्ञ एवं नशामुक्ति केंद्र के प्रभारी डॉ. गिरीश कुमार ने की। शिविर के दौरान मनोरोग नर्सिंग अधिकारी निशा और सामुदायिक नर्सिंग अधिकारी रेनू ने छात्र-छात्राओं को तंबाकू, सिगरेट और अन्य नशीले पदार्थों से होने वाले गंभीर शारीरिक व मानसिक नुकसान के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है बल्कि विद्यार्थियों की शिक्षा और उनके करियर पर भी गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। नशामुक्ति कार्यक्रम के सदस्य प्रवीण कुमार द्वारा बच्चों को तंबाकू और निकोटीन के भ्रामक आकर्षण से खुद को दूर रखने और अपनी आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित रखने की शपथ दिलाई गई।जागरूकता अभियान के तहत विद्यालय में बच्चों के लिए तंबाकू एवं नशा मुक्ति विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन टेली-मानस के टोल फ्री नंबर 14416 या 1800-891-4416 के बारे में बताया गया जो कि 24 घंटे निःशुल्क सेवा प्रदान करती है। साथ ही तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के हेल्पलाइन नंबर 1800-112-356 के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें अधिकारी: कृष्ण कुमार बेदी

सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने पेयजल व्यवस्था सुचारू रखने सहित बिजली की बचत करने में लिए किया प्रेरित

जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक की अध्यक्षता सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने की

बैठक में 12 मामलों की हुई सुनवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा के सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अधिकारी नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ उनका समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री शनिवार को फतेहाबाद स्थित डीपीआरसी भवन में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 12 मामलों की सुनवाई की गई। इस दौरान मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से मामलों की प्रगति रिपोर्ट ली तथा लंबित मामलों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने स्पष्ट कहा कि जन परिवाद समिति में शिकायत दर्ज करवाने वाले व्यक्तियों की बैठक में उपस्थिति जरूरी है।शिकायतकर्ता स्वयं उपस्थित होकर यह बताए कि वह विभागीय कार्रवाई से संतुष्ट है या नहीं। इससे मामलों के निष्पक्ष एवं पारदर्शी निस्तारण में सहायता मिलेगी।

गर्मी के मौसम में पेयजल व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश

एक मामले की सुनवाई करते हुए कृष्ण कुमार बेदी ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए जिला में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रखी जाए और किसी भी गांव या क्षेत्र में पानी की समस्या उत्पन्न न होने दी जाए। एक अन्य परिवाद गांव पीलीमंदौरी के निवासियों द्वारा पेयजल समस्या उठाए जाने पर मंत्री ने अधिकारियों को गांव में नियमित एवं पर्याप्त स्वच्छ पेयजल सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पानी की गुणवत्ता की जांच के लिए टीडीएस टेस्ट करवाकर उसकी रिपोर्ट सोमवार तक डीसी कार्यालय में भेजने को कहा। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गांव में पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 6.72 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत हो चुकी है तथा टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द कार्य आरंभ कर दिया जाएगा।

अवैध निर्माण मामलों में मांगी विस्तृत रिपोर्ट

रतिया क्षेत्र में अवैध कॉलोनी में नियमों के विरुद्ध सड़क निर्माण की शिकायत पर मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने डीएमसी को मौके का निरीक्षण करने और निर्माण कार्य की विस्तृत रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नियमों के अनुरूप ही होना चाहिए तथा अनियमितता पाए जाने पर जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

शिकायतों की निष्पक्ष जांच के निर्देश

परिवाद गांव गाजूवाला निवासी बबीता द्वारा दी गई शिकायत पर सुनवाई करते हुए मंत्री ने पुलिस विभाग को दोनों पक्षों की शिकायतों की निष्पक्ष एवं गहन जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि लोगों का कानून व्यवस्था पर विश्वास बना रहे।

बिना मान्यता स्कूलों पर सख्ती

गांव बनमंदौरी निवासी राकेश कुमार की शिकायत पर सुनवाई करते हुए मंत्री ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि जिला में बिना मान्यता के कोई भी स्कूल संचालित नहीं होना चाहिए। इस पर डीईईओ ने बताया कि संबंधित स्कूल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे बंद करवा दिया गया है। शिकायतकर्ता द्वारा असंतोष जताने पर मंत्री ने विभाग को पुनः जांच करने और तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि स्कूल बंद पाया गया और शिकायत निराधार हुई तो शिकायतकर्ता के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

जल और ऊर्जा संरक्षण को बनाएं आदत

बैठक में मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने नागरिकों से जल एवं ऊर्जा संरक्षण की अपील करते हुए कहा कि पानी और बिजली की बचत वर्तमान समय की आवश्यकता है। प्रत्येक नागरिक को जरूरत के अनुसार ही पानी और बिजली का उपयोग करना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण किया जा सके। इस अवसर पर टोहाना के विधायक परमवीर सिंह, रतिया के विधायक जरनैल सिंह, डीसी डा. विवेक भारती, एसपी निकिता खट्टर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति के गैर सरकारी सदस्यगण उपस्थित रहे।

पसीना बहाओ, बीमारी भगाओ: दौसा पुलिस का ‘संडे ऑन साइकिल’ अभियान बनेगा फिटनेस और पर्यावरण जागरूकता का जनआंदोलन

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । बदलती जीवनशैली, बढ़ते प्रदूषण और भागदौड़ भरे दौर में अब दौसा पुलिस स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर सड़कों पर उतरने जा रही है। भारत सरकार के फिट इंडिया मिशन के तहत राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिला पुलिस दौसा द्वारा रविवार 24 मई को प्रातः 6:15 बजे ‘संडे ऑन साइकिल’ अभियान का आयोजन किया जाएगा, जिसकी शुरुआत जिला कलेक्ट्रेट परिसर से होगी। यह अभियान केवल साइकिल रैली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आमजन में स्वास्थ्य, अनुशासन, योग, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का व्यापक संदेश देने वाला सामाजिक जनआंदोलन बनने की ओर बढ़ रहा है। नवनियुक्त जिला पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित ने बताया कि आज के समय में शारीरिक फिटनेस केवल व्यक्तिगत आवश्यकता नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि योग और व्यायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर ही स्वस्थ समाज की नींव रखी जा सकती है। साइकिलिंग न केवल शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखती है बल्कि बढ़ते प्रदूषण और यातायात दबाव को कम करने में भी अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देने की जिम्मेदारी भी निभा रही है। अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक शंकरलाल मीणा ने बताया कि इस अभियान में जिला पुलिस के अधिकारी, शहर सर्किल के समस्त थानाधिकारी, पुलिस जवान, सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक, पुलिस मित्र तथा बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। दौसा पुलिस का प्रयास है कि यह अभियान गांव-ढाणी तक स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश पहुंचाए और युवा पीढ़ी मोबाइल और मशीनों की जिंदगी से निकलकर फिटनेस की ओर कदम बढ़ाए। पुलिस प्रशासन ने जिले के सामाजिक संगठनों, साइकिल क्लबों और आम नागरिकों से भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। जिला पुलिस का मानना है कि जब समाज और प्रशासन एक साथ किसी सकारात्मक उद्देश्य के लिए निकलते हैं तो बदलाव की तस्वीर खुद-ब-खुद दिखाई देने लगती है। ‘जहां जागरूकता की पैडल घूमती है, वहां बीमारियों की रफ्तार खुद थम जाती है’ – इसी सोच के साथ दौसा पुलिस का यह अभियान अब स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा की नई मिसाल बनने जा रहा है।

व्हाट्सएप/वीओआईपी कॉल के जरिए जबरन वसूली व साइबर ठगी से रहें सावधान: पुलिस अधीक्षक की एडवाइजरी जारी

हरियाणा पुलिस की ‘अभेद्य ऐप’ व ‘दोहरी ओटीपी प्रणाली’ से मिल रही मजबूत सुरक्षा

अज्ञात/मास्क्ड नंबरों से आने वाले कॉल, मैसेज व लिंक बन रहे खतरा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस की ओर से आमजन को सचेत करते हुए व्हाट्सएप/वीओआईपी कॉल के माध्यम से हो रही जबरन वसूली व साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को लेकर विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि साइबर अपराधी विदेशी या मास्क्ड नंबरों का उपयोग कर लोगों को डराने, धमकाने या लालच देकर पैसे ऐंठने का प्रयास कर रहे हैं।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की साइबर ठगी या जबरन वसूली का शिकार होता है, तो वह तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें शिकायत दर्ज करवाएं। साथ ही नजदीकी थाना या साइबर सेल में भी सूचना दें। पुलिस अधीक्षक ने अपील की है कि आमजन सतर्क रहें, ‘अभेद्य ऐप’ व ‘दोहरी ओटीपी प्रणाली’ का अधिक से अधिक उपयोग करें और किसी भी प्रकार के डर, लालच या झूठे वादों के झांसे में न आएं। जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

108 श्रीमद् भागवत कथा का समापन, सुदामा चरित्र सुन भावुक हुए श्रद्धालु

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । आदर्श नगर स्थित भाटिया भवन में श्री भाटिया बिरादरी प्रबंध समिति द्वारा आयोजित 108 श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ समारोह का शनिवार को पूर्णाहुति एवं पोथी विदाई के साथ समापन हुआ। अंतिम दिन सुदामा चरित्र, राज लीला एवं उद्धव गीता का वर्णन किया गया। गोकुल धाम के आचार्य सुरेश जी शास्त्री ने कहा कि सुदामा की भगवान श्रीकृष्ण के प्रति निःस्वार्थ भक्ति ही उनकी सबसे बड़ी संपत्ति थी। भगवान भाव के भूखे हैं और सच्चे मन से अर्पित किया गया तुच्छ अर्पण भी स्वीकार करते हैं।

उपाध्यक्ष नितिन भाटिया ने बताया कि 108 श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की स्मृति में भागवत पाठ करवाया। आयोजन में देश-विदेश से श्रद्धालु शामिल हुए। रविवार को प्रातः 8 बजे हवन एवं दोपहर 12 बजे विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

वीणा वाटिका 3rd ऑनलाइन इंटरनेशनल ड्रॉइंग कॉन्टेस्ट 2026 का शुभारंभ

दुनियाभर के बच्चों को मिलेगा कला और कल्पनाशक्ति दिखाने का वैश्विक मंच

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। बच्चों की रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति और कला प्रतिभा को वैश्विक पहचान देने के उद्देश्य से ‘वीणा वाटिका 3ह्रस्र ऑनलाइन इंटरनेशनल ड्रॉइंग कॉन्टेस्ट 2026’ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भारत सहित विभिन्न देशों के बच्चे भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता का विषय ’ माई बडडी नेचर’ रखा गया है, जिसका उद्देश्य बच्चों को प्रकृति के प्रति जागरूक करना और उनकी भावनाओं को कला के माध्यम से अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित करना है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की कलाकृतियों का मूल्यांकन विभिन्न देशों के प्रतिष्ठित कलाकारों एवं ज्यूरी सदस्यों द्वारा किया जाएगा। ज्यूरी पैनल में रूस, लंदन, यूके सहित कई देशों से जुड़े कला विशेषज्ञ शामिल रहेंगे, जो बच्चों की रचनात्मकता और अभिव्यक्ति का मूल्यांकन करेंगे। प्रतियोगिता में 5 से 15 वर्ष तक के बच्चे विश्व के किसी भी कोने से घर बैठे ऑनलाइन भाग ले सकते हैं। विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान किए जाएंगे, वहीं प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। इस रचनात्मक पहल को लेकर कई स्कूल, आर्ट टीचर्स एवं आर्ट स्टूडियोज़ भी विशेष रुचि दिखा रहे हैं और विद्यार्थियों को इसमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। ’ माई बडडी नेचर ’ जैसी थीम बच्चों को कला के माध्यम से प्रकृति के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव और कल्पनाशक्ति को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करती है। यह आयोजन बच्चों को अपनी कला को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने का अवसर प्रदान करेगा। प्रतियोगिता की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है।

पचेरी के कुम्हारों मोहल्ले में पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन, सड़क पर कांटेदार झाड़ियां डालकर लगाया जाम

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

पचेरी कलां में शनिवार को पेयजल संकट से परेशान ग्रामीणों ने पचेरी से सहड़ जाने वाली सड़क पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। कुम्हारों के मोहल्ले के लोगों ने प्रशासन और जलदाय विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द समाधान की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि मोहल्ले की करीब 100 घरों की आबादी पिछले तीन साल से लगातार पानी की समस्या से जूझ रही है। कई बार अधिकारियों को शिकायत देने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया। भीषण गर्मी में पानी की किल्लत के कारण लोगों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। पेयजल की समस्या के चलते कुछ लोग टैंकर डलवा लेते है, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर लोग टैंकर डलवाने में असमर्थ होने के कारण उन्हें पानी के लिए चक्कर काटने पड़ते हैं। इसके चलते उन्हें भीषण गर्मी में पानी के लिए आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। पेयजल की आपूर्ति को लेकर अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन पेयजल की समस्या का कोई समाधान नहीं होने पर मजबूरन उन्हें सड़क पर आना पड़ा है। इस दौरान सड़क पर जाम लगाने से दोनों ओर वाहनों की कतारे लग गई। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पचेरी कलां थाने से एएसआई हरिसिंह ने ग्रामीणों से समझाइश कर जाम खुलवाया और संबंधित विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द पेयजल व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर विरेन्द्र, कृष्ण कुमार, कालूराम, यादराम, ईश्वर, मोतीलाल, संतोष, सावित्री देवी, मंजू, रेखा, बबली और लक्ष्मी देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

राजस्थान बन रहा सेमीकंडक्टर एवं हाई-टेक उद्योगों का उभरता केंद्र

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । मुख्यमंत्री कार्यालय में शनिवार को केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में राजस्थान में सेमीकंडक्टर इकाइयों की स्थापना, निवेश की संभावनाओं तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राजस्थान ‘आत्मनिर्भर भारत’ और ‘डिजिटल इंडिया’ के संकल्प के साथ सेमीकंडक्टर, नवाचार और उच्च निवेश का उभरता केंद्र बन रहा है। भिवाड़ी में 1200 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट को इस दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया गया। राज्य सरकार द्वारा लागू की गई प्रगतिशील सेमीकंडक्टर पॉलिसी के माध्यम से राजस्थान को नवाचार एवं हाई-टेक उद्योगों का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना, पारदर्शी व्यवस्थाएं एवं ईजी ऑफ डूइगं बिजनेस आधारित निवेश-अनुकूल वातावरण के जरिए निवेशकों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बैठक में राज्य में उद्योगों की स्थापना और विस्तार हेतु हर आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने तथा निवेशकों को पूर्ण सहयोग देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना : सत्र 2025-26 के लिए द्वितीय चरण की मेरिट सूची जारी

चयनित अभ्यर्थी 10 जून तक कोचिंग संस्थाओं में दे सकते जॉइनिंग

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स के लिए आवेदन पत्रों के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों की द्वितीय चरण की मेरिट सूची जारी की जा चुकी है। चयनित अभ्यर्थी कोचिंग संस्थाओं में 10 जून तक अपनी उपस्थिति दर्ज करवा सकते हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत आयोजित प्रवेश परीक्षाओं एवं सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी उत्कृष्ट ढंग से कराने एवं समान अवसर प्रदान करने के लिए सत्र 2025-26 के लिए विभाग द्वारा सूचीबद्ध कोचिंग संस्थाओं में निःशुल्क कोचिंग किए जाने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से प्राप्त आवेदन पत्रों में से विभागीय जिलाधिकारियों द्वारा अभ्यर्थियों की पात्रता एवं उनके आवेदन में अपलोड किए गए दस्तावेजों के सत्यापन/जांच उपरान्त जिलाधिकारियों द्वारा अनुमोदित किए गए आवेदन पत्रों के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों की द्वितीय चरण की मेरिट सूची जारी की जा चुकी है।

दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के

यूपी के बांदा में पारा 47.6°C, एमपी-राजस्थान समेत 11 राज्यों में 40°C से 47°C; 2 दिन राहत नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। देश को अगले 2 दिन तक गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत के 11 राज्यों में तापमान 40°C से 47°C के बीच रहा।

इन 11 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। सबसे ज्यादा तापमान यूपी के बांदा में 47.6°C और एमपी के नौगांव में 46.8°C रहा। इधर, बिहार के अररिया, जहानाबाद, नालंदा और सुपौल में बारिश हुई। यहां बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। जम्मू-कश्मीर के जोजिला और उत्तराखंड के चमोली-पिथौरागढ़ में बर्फबारी हुई। मौसम विभाग के मुताबिक एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन पाकिस्तान के ऊपर और एक बिहार के आसपास बना हुआ है।

राजस्थान के जयपुर में अधिकतम तापमान 41°C से ज्यादा रहा। गर्मी से राहत के लिए एक व्यक्ति ने सिर पर पानी डाला।

साथ ही अरब सागर में एक लो प्रेशर एरिया बना हुआ है। देश में सुबह असामान्य रिकॉर्ड दर्ज किया गया। दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की लिस्ट में सभी शहर भारत के रहे। उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, हरियाणा के कई शहर दोपहर से पहले ही 42 से 44°C तक पहुंच गए। अकेले उत्तर प्रदेश के 22 शहर गर्म शहरों की लिस्ट में थे।

●रोजगार मेले में 51 हजार लोगों को नियुक्ति पत्र, पीएम मोदी बोले-

हमारे युवा 'विकसित भारत' की यात्रा का अहम हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 19वें रोजगार मेले में अलग-अलग सरकारी विभागों और संगठनों में 51 हजार से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि भारत के युवा 'विकसित भारत' की ओर बढ़ रही यात्रा को गति देने में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। 'रोजगार मेला' युवाओं को नए अवसर प्रदान कर सशक्त बनाने के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज देशभर के हजारों युवाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। आज 51,000 से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र मिला है। इस उपलब्धि के लिए मैं सभी को बहुत बहुत बधाई

देता हूं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नवनियुक्त युवाओं से संवाद करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'आज आप सभी देश की विकास यात्रा में अहम भागीदार बन रहे हैं, जिम्मेवार भागीदार बन रहे हैं। रेलवे, बैंकिंग, डिफेंस, हेल्थ, एजुकेशन और दूसरे कई क्षेत्रों में आप सभी नई जिम्मेदारियां संभालने जा रहे हैं। आने वाले वर्षों में विकसित भारत के

> ●'रोजगार मेला' युवाओं को नए अवसर प्रदान कर सशक्त बनाने के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। - प्रधानमंत्री

संकल्प को सिद्ध करने में आप सभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं।'

उन्होंने कहा, 'अभी दो दिन पहले मैं पांच देशों की यात्रा करके लौटा हूं। कहने को तो ये सिर्फ पांच देशों की यात्रा थी, लेकिन इस दौरान मेरी दर्जनों देशों की बड़ी बड़ी कंपनियों के लीडर्स से बातें हुई, विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान हर जगह मैंने एक बात समान रूप से महसूस की है। दुनिया भारत के युवाओं और भारत की टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस को लेकर बहुत उत्साहित है। आज दुनिया भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहती है।' अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि भारत भी दुनिया के अलग-अलग देशों के साथ पार्टनरशिप कर रहा है। इसका उद्देश्य यही है कि भारत के युवाओं को अवसर मिले, रोजगार मिले और उनका सामर्थ्य खिल उठे। साथ ही साथ, मैं चाहता हूं कि देश के नौजवानों को ग्लोबल एक्सपोजर भी मिले। उन्होंने कहा, 'आज स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, हरित हाइड्रोजन और टिकाऊ विनिर्माण से जुड़े क्षेत्र भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इनसे जुड़ी साझेदारी एक नई अर्थव्यवस्था के नए अवसर के दरवाजे खोल रही हैं। स्वीडन, नॉर्वे और इटली जैसे देशों के साथ 'ग्रीन ट्रांजिशन एंड सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी' में भी सहयोग बढ़ रहा है। ये भारत को क्लीन मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी फ्यूचर इंडस्ट्री में मजबूत करेगा।'

दिल्ली के लाल किले में रविवार को जुटेगा देशभर का जनजातीय समाज

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किले में रविवार को जनजातीय समाज का विशाल सांस्कृतिक समागम आयोजित किया जा रहा है। देशभर के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन और पारंपरिक समूह इस आयोजन में भाग लेने पहुंच रहे हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के भी इस कार्यक्रम में रविवार शाम को शिरकत करने की उम्मीद है। जनजाति सांस्कृतिक समागम का आयोजन करने वाले जनजाति सुरक्षा मंच के मुताबिक यह आयोजन जनजातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान, एकता और जागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रति लोगों का

ध्यान दिलाने के लिए किया जा रहा है। कार्यक्रम में जनजातीय विरासत के संरक्षण, सामाजिक भागीदारी और वर्तमान चुनौतियों जैसे विषयों पर भी चर्चा प्रस्तावित है।

केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने शनिवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। मुख्यमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला दिल्ली दौरा है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से भेंट कर विभिन्न राजनीतिक और संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा की। दिल्ली पहुंचने के बाद सतीशन ने सबसे पहले कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल से उनके आवास पर मुलाकात की। इसके बाद वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पहुंचे, जहां खरगे ने उन्हें पारंपरिक पटका पहनाकर सम्मानित किया और मुख्यमंत्री बनने पर शुभकामनाएं दीं। इसके बाद सतीशन ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से अलग-

अलग मुलाकात की। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस दौरान केरल की राजनीतिक स्थिति, राज्य सरकार की प्राथमिकताओं और पार्टी संगठन से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। कांग्रेस नेतृत्व ने सतीशन को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए राज्य में सरकार के सफल संचालन की शुभकामनाएं दीं।

अमरनाथ से बाबा बर्फानी की पहली फोटो आई

● 6-7 फीट का शिवलिंग बना, यात्रा 3 जुलाई से, जवानों ने दर्शन किए

एजेंसी

अमरनाथ। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले शनिवार को बर्फ से बने शिवलिंग (बाबा बर्फानी) की पहली तस्वीरें सामने आ गई हैं। तस्वीरों में दिख रहा है कि 6 से 7 फीट का शिवलिंग अपना आकार ले चुका है। इस दौरान सुरक्षा के लिए तैनात जवानों ने सबसे पहले शिवलिंग के दर्शन भी किए। अमरनाथ यात्रा इस साल 3 जुलाई 2026 से शुरू होकर 9 अगस्त 2026 तक चलेगी।

अमरनाथ यात्रा के लिए 3.6 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन

इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक 3.6 लाख से ज्यादा श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं।

यात्रा मार्ग पर कई जगह अब भी 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी है, लेकिन सीमा सड़क संगठन (BRO) दोनों रास्तों पर तेजी से ट्रैक बहाल करने में जुटा है। अधिकारियों का दावा है कि 15 जून तक दोनों रास्ते पूरी तरह तैयार कर दिए जाएंगे। यात्रा 3 जुलाई से बालटाल-सोनमर्ग और पारंपरिक नुनवान-पहलगाम मार्ग से शुरू होगी। 57 दिन की यह यात्रा 28 अगस्त को रक्षा बंधन और सावन पूर्णिमा के दिन संपन्न होगी। रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हुए थे।

5 से 30 लोगों के ग्रुप के लिए रजिस्ट्रेशन बंद

5 से 30 लोगों के ग्रुप में यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए रजिस्ट्रेशन बुधवार को बंद हो गए। हालांकि, अकेले या छोटे ग्रुप में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्लॉट खाली रहने तक रजिस्ट्रेशन जारी रहेंगे। रजिस्ट्रेशन पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू-कश्मीर बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और यस बैंक की तय शाखाओं के जरिए हो रहा है। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस साल यह संख्या 5 लाख के पार जा सकती है। 2025 में 4.14 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 5.10 लाख से ज्यादा था।

•दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

निजी स्कूल सत्र शुरू होने से पहले बिना सरकारी मंजूरी बढ़ा सकते हैं फीस

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने कहा कि दिल्ली में बिना सरकारी मदद वाले प्राइवेट स्कूल नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में फीस बढ़ा सकते हैं। इसके लिए उन्हें शिक्षा निदेशालय (डीओई) की अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अगर स्कूल नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में फीस बढ़ाता है, तो उसे सिर्फ शिक्षा निदेशालय को सूचना देनी है, उन्हें अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि अगर स्कूल शैक्षणिक सत्र के बीच में फीस बढ़ाना चाहते हैं, तब शिक्षा निदेशालय की मंजूरी जरूरी होगी। कोर्ट ने अभिभावकों को राहतदेते हुए यह भी कहा कि स्कूल पुराने सालों

की बढ़ी हुई फीस का बकाया अब नहीं वसूल सकते। यानी 2016-17 या पुराने सत्रों की बढ़ी फीस अब अभिभावकों से नहीं मांगी जा सकती। स्कूलों की आखिरी प्रस्तावित फीस वृद्धि अब अप्रैल 2027 से ही लागू होगी। कोर्ट ने शिक्षा निदेशालय के उन सभी आदेशों को रद्द कर दिया, जिनमें शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में फीस बढ़ाने के प्रस्तावों को खारिज कर दिया गया था। कोर्ट ने निदेशालय के पास पेंडिंग फीस बढ़ाने के प्रस्तावों को भी बंद कर दिया। कोर्ट ने निदेशालय के उस अंतर को भी खारिज कर दिया जो 'लैंड क्लॉज' (जमीन से जुड़ी शर्त) के तहत आने वाले स्कूलों और ऐसे क्लॉज के तहत न आने वाले स्कूलों के बीच किया गया था। कोर्ट ने कहा कि लैंड क्लॉज, जो आमतौर पर अलॉटमेंट लेटर में एक शर्त होती है, उसे एक्ट और नियमों के दायरे में ही काम करना चाहिए।

मप्र के देवास पटाखा फैक्टरी हादसे में घायल दो और मजदूरों ने तोड़ा दम, मृतकों की संख्या 8 हुई

एजेंसी

भोपाल/देवास। मध्य प्रदेश के देवास जिले के टोंककलां में हुए पटाखा फैक्टरी हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है। इंदौर के महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे दो और गंभीर रूप से झुलसे मजदूरों ने शुक्रवार रात दम तोड़ दिया। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, जान गंवाने वाले मजदूरों की पहचान अजय और निरंजन के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार के रहने वाले थे। धमाके के बाद से ही दोनों को इंदौर के एमवाय अस्पताल की बर्न यूनिट में वेंटिलेटर और क्रिटिकल केयर सपोर्ट पर रखा गया था, जहां उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई थी।

पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने पर कांग्रेस नेता अजय राय के खिलाफ महोबा में एफआईआर दर्ज

एजेंसी

महोबा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर अपशब्द का इस्तेमाल किए जाने पर कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। अजय राय ने राज्य के महोबा में अपने समर्थकों से मुलाकात के दौरान पीएम मोदी के लिए गलत शब्दों का प्रयोग किया था। भाजपा नेता एडवोकेट नीरज रावत ने महोबा कोतवाली में अजय राय के खिलाफ उनकी टिप्पणी को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर कार्रवाई करते हुए महोबा कोतवाली पुलिस ने अजय राय और निवर्तमान सचिव बृजराज समेत कुल 30 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। शिकायतकर्ता ने कहा, 'एक सामाजिक व राजनैतिक कार्यकर्ता होने के कारण मैं अपने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान करता हूं। जनपद महोबा के निवर्तमान कांग्रेस सचिव बृजराज ने

बिना प्रशासनिक अनुमति के आयोजित कार्यक्रम में अजय राय को निमंत्रित किया था। कार्यक्रम में अजय राय 15-16 गाड़ियों के काफिले और 25-30 समर्थकों के साथ समद नगर मोहल्ले में पहुंचे। अजय राय का काफिला सड़क पर खड़ा था, जिससे आम जनता के लिए रास्ता रुक गया।' उन्होंने अपने शिकायत पत्र में लिखा, 'आमजन के आवागमन को सुचारू रूप से चलाने के लिए और शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए सरकारी अधिकारी को अपनी ड्यूटी छोड़कर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना पड़ा। इस दौरान, अजय राय ने प्रधानमंत्री मोदी पर अश्लील और अभद्र टिप्पणी की, जो एक आपराधिक कृत्य है। इसका वीडियो भी वायरल है। अजय राय के कृत्य से समाज में जातिगत विद्वेष उत्पन्न हुआ और आम जनमानस में आक्रोश की स्थिति उत्पन्न हो हुई। वीडियो के कारण जनपद महोबा के निवासी व भाजपा के कार्यकर्ता काफी आक्रोशित हैं। आमजन की भावनाओं को भी ठेस पहुंची है।'

भाजपा नेता ने मांग की कि अजय राय और बृजराज अहिरवार समेत 25-30 अज्ञात सहयोगी व समर्थकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके कानूनी कार्रवाई की जाए। फिलहाल, शिकायत के आधार पर महोबा पुलिस ने अजय राय और उनके समर्थकों पर मुकदमा दर्ज किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पेट्रोलियम की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र पर बोला हमला, कहा-

संकट के बीच जनता को लूटा जा रहा है

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कम होने के बावजूद जनता को राहत देने के बजाय लगातार पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और एलपीजी के दाम बढ़ाकर आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है।मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि बीते दस दिनों में तीसरी बार पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार यह तर्क देकर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है कि भारत में ईंधन की कीमतें कई अन्य देशों की तुलना में कम हैं, जबकि सच्चाई यह है कि संकट के समय अन्य देशों ने अपनी जनता को राहत देने के लिए टैक्स में कटौती और राहत पैकेज की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के दौरान इटली, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, ब्रिटेन और आयरलैंड जैसे देशों ने ईंधन पर टैक्स घटाकर या सब्सिडी देकर लोगों को राहत पहुंचाई।

आरक्षण का लाभ केवल जरूरतमंदों को मिले : शांता कुमार

एजेंसी

शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने कहा है कि उच्चतम न्यायालय ने एक बार फिर आरक्षित वर्गों में संपन्न परिवारों को आरक्षण का लाभ दिए जाने के मुद्दे पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के एक मामले में पिता और माता दोनों उच्च प्रशासनिक पदों पर होने के बावजूद उनके पुत्र को आरक्षण का लाभ दिया गया, जिसके खिलाफ प्रभावित व्यक्ति ने लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और मामला उच्च न्यायालय से होते हुए उच्चतम न्यायालय पहुंचा। न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि उच्च पदों पर कार्यरत माता-पिता के बच्चों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए।शांता कुमार ने शनिवार को एक बयान में कहा कि सुप्रीम कोर्ट इस प्रकार का निर्णय पहले भी कई बार दे चुका है। न्यायालय ने पूर्व में भी कहा था कि आरक्षण का लाभ लेकर आर्थिक

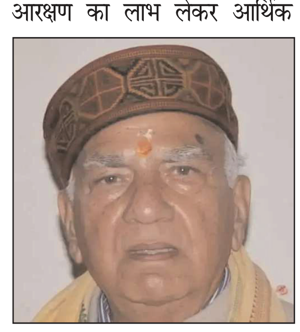

और सामाजिक रूप से संपन्न हो चुके परिवारों को बार-बार इसका लाभ नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के स्तर पर भी आरक्षित वर्गों में क्रीमी लेयर को बाहर करने को लेकर चर्चा होती रही है।

राजीव चंद्रशेखर का विपक्ष पर पलटवार, कहा-

'कॉकरोच पार्टी' का अभियान देश को अस्थिर करने की साजिश

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने शनिवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधा है। उन्होंने 'कॉकरोच पार्टी' को देश और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के खिलाफ 'सीमा पार प्रभाव अभियान' चलाने का आरोप लगाया है। राजीव चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक महत्वपूर्ण पोस्ट करते हुए विपक्षी दलों पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा, 'कॉकरोच पार्टी की चाल एक और क्लासिक सीमा पार प्रभाव अभियान है, जिसका निशाना भारत और पीएम मोदी की सरकार है। इसे कुछ स्वार्थी तत्वों ने भारत को अस्थिर करने के लिए डिजाइन किया है और इसमें हमारे विपक्ष के कुछ तत्वों ने भी मदद की है।' उन्होंने चेतावनी दी कि सोशल मीडिया, बॉट्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस दौर में 'प्रभाव अभियान' भारत की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। ये अभियान नकली लेकिन वास्तविक लगने वाले नैरेटिव गढ़कर जनमानस को प्रभावित करने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का उदय और आधुनिकीकरण कई देशों को खटक रहा है। उन्होंने लिखा, 'कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, यूएस-ईरान तनाव, ऊर्जा संकट और चीनी आक्रामकता जैसी वैश्विक चुनौतियों के बावजूद पीएम मोदी ने भारत को सुरक्षित और मजबूत बनाए रखा है।

ईंधन की बढ़ी कीमतों पर भड़के तेजस्वी यादव, कहा- आने वाले दिनों में जनता को भयंकर महंगाई झेलनी पड़ेगी

एजेंसी

पटना । पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के मूल्य वृद्धि को लेकर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सरकार को घेरते हुए कहा है कि आने वाले दिनों में जनता को भयंकर महंगाई झेलनी पड़ेगी। उन्होंने सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि मोदी सरकार ने आज फिर सीएनजी, पेट्रोल और डीज़ल के दाम बढ़ा दिए। एनडीए सरकार ने पिछले 10 दिनों में तेल की कीमतों में लगभग 5 रुपए की वृद्धि की है, यानि 50 पैसे प्रतिदिन। अभी और बढ़ना शेष है। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने शनिवार को सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर लिखा, 'जब क्रूड ऑयल सस्ता था, तब भी ये आपकी जेब काटकर निजी कंपनियों को मुनाफ़ा दिला रहे थे और अब भी। जो भाव कच्चे तेल का

2014 में था, अब उससे भी बहुत कम है, लेकिन पेट्रोल-डीजल के दाम दुगुना हो गए हैं।' उन्होंने दावा करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में जनता को भयंकर महंगाई झेलनी पड़ेगी, प्राइवेट सेक्टर की नौकरियां जाएंगी, प्रवासी श्रमिक वापस लौटेंगे, लघु उद्योग-धंधे कम होंगे, गरीबी-बेरोजगारी बढ़ेगी। सरकार को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि नफ़रत का कारोबार, भाषणबाजी, रील्स और एंटरटेनमेंट के लिए जिसे चुना था, वो 'फुल इंटरटेनमेंट' मिलता रहेगा। नौकरी, गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी, कृषि, गांव-किसान, शिक्षा-स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था इत्यादि पर गहन विचार-विमर्श और ध्यान केंद्रित देने की बजाय इनका फोकस संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग, हेडलाइन मैनेजमेंट, हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद, गाय-गोबर और स्थलों के नाम बदलने पर रहेगा।

रजत पाटीदार ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, क्रिस गेल को पीछे छोड़ आईपीएल में रचा इतिहास

नई दिल्ली।
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने इंडियन प्रीमियर लीग में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने आईपीएल करियर के 100 छक्के पूरे किए और इस मामले में टी20 क्रिकेट के दिग्गज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया। पाटीदार ने यह उपलब्धि सिर्फ 933 गेंदों में हासिल की, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज 100 छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में रजत पाटीदार ने 56 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और एक लंबा छक्का लगाया। इसी छक्के के साथ उन्होंने आईपीएल में 100 सिक्स पूरे किए। इससे पहले क्रिस गेल ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 943 गेंदों का सामना किया था। पाटीदार ने उनसे 10 गेंद कम लेकर यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। हालांकि आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के लगाने के मामले में पाटीदार अभी तीसरे स्थान पर हैं। इस सूची में वेस्टइंडीज के विस्फोटक ऑलराउंडर आंद्रे रसेल शीर्ष पर बने हुए हैं। रसेल ने सिर्फ 657 गेंदों में 100 छक्के पूरे कर दिए थे।

प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी केकेआर और दिल्ली, जीत के अलावा कोई विकल्प नहीं

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लीग चरण का आखिरी मुकाबला रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा रहने वाला है, क्योंकि प्लेऑफ की धुंधली उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए हर हाल में जीत जरूरी है। हालांकि यह भी संभव है कि मैच शुरू होने से पहले ही दोनों में से किसी एक टीम की उम्मीद पूरी तरह खत्म हो जाए। अंक तालिका में फिलहाल कोलकाता नाइट राइडर्स छठे स्थान पर है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स आठवें नंबर पर मौजूद है। दोनों टीमें अभी भी गणितीय रूप से प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं, लेकिन उनकी राह बेहद मुश्किल नजर आ रही है। प्लेऑफ की चौथी सीट के लिए सबसे मजबूत दावेदार पंजाब किंग्स मानी जा रही है, जिसका मुकाबला शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स से होना है। यदि पंजाब यह मैच जीत जाती है तो उसके 15 अंक हो जाएंगे और दिल्ली की उम्मीदें वहीं खत्म हो जाएंगी, क्योंकि वह अधिकतम 14 अंक तक ही पहुंच सकती है। कोलकाता नाइट राइडर्स के पास अभी 13 अंक हैं और वह दिल्ली को हराकर 15 अंकों तक पहुंच सकती है। लेकिन सिर्फ जीत काफी नहीं होगी। पंजाब किंग्स का नेट रन रेट कोलकाता से काफी बेहतर है। ऐसे में अगर पंजाब लखनऊ को मामूली अंतर से भी हरा देती है, तो कोलकाता को दिल्ली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी पड़ेगी। आंकड़ों के अनुसार पंजाब की एक रन की जीत की स्थिति में कोलकाता को दिल्ली को कम से कम 52 रन से हराना होगा। इसके साथ ही उसे राजस्थान रॉयल्स की हार की भी उम्मीद करनी होगी। राजस्थान के 14 अंक हैं और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत उसे सीधे प्लेऑफ में पहुंचा सकती है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस सीजन की खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की है। टीम ने अपने पिछले सात मुकाबलों में से छह में जीत दर्ज कर खुद को प्लेऑफ की दौड़ में बनाए रखा। शुरुआती दौर में टीम को अपने प्रमुख तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति का खामियाजा भुगतना पड़ा था। मुस्तफिजुर रहमान, हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना अलग-अलग कारणों से कई मुकाबलों में नहीं खेल सके। वहीं चोट से वापसी कर रहे कैमरन ग्रीन भी

शुरुआती मैचों में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। हालांकि टीम को इस अहम मुकाबले में अपने सबसे सफल बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी की कमी खलेगी। उन्होंने इस सीजन में पांच अर्धशतकों की मदद से 422 रन बनाए हैं। इसके अलावा स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी चोट से जूझ रहे हैं और टीम प्रबंधन परिस्थितियों के अनुसार उनके खेलने पर फैसला करेगा। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स ने पूरे सीजन में कई अहम मौके गंवाए, जिसका असर उसकी स्थिति पर पड़ा। टीम की बल्लेबाजी काफी हद तक केएल राहुल पर निर्भर रही है।

शानदार प्रदर्शन के बावजूद टॉप-2 में नहीं पहुंच सकी सनराइजर्स, डेनियल विटोरी ने बताई टीम की सबसे बड़ी ताकत

नई दिल्ली ।

सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में टीम के शानदार प्रदर्शन का श्रेय शीर्ष क्रम के विस्फोटक बल्लेबाजों और अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण को दिया है। हालांकि टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 55 रन की शानदार जीत के बावजूद नेट रन रेट के कारण अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह नहीं बना सकी और तीसरे स्थान पर रही। अब सनराइजर्स को एलिमिनेटर मुकाबला खेलना होगा। मैच के बाद डेनियल विटोरी ने कहा कि टीम ने पूरे सीजन में बेहतरीन क्रिकेट खेली है और नौ जीत दर्ज करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हर चीज हासिल करना संभव नहीं होता, लेकिन जिस तरह खिलाड़ियों ने प्रदर्शन किया, उससे टीम संतुष्ट है। विटोरी ने माना कि नेट रन रेट के कारण टीम थोड़ा पीछे रह गई, लेकिन इसके बावजूद खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। सनराइजर्स हैदराबाद अब बुधवार को एलिमिनेटर मुकाबले में मैदान पर उतरेगी। प्लेऑफ से पहले विटोरी ने टीम के मध्यक्रम को लेकर चिंता भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने पूरे सीजन में इतनी शानदार बल्लेबाजी की कि मध्यक्रम को ज्यादा मौके ही नहीं मिले। ऐसे में बड़े मुकाबलों से पहले टीम इस पहलू पर ध्यान देगी ताकि जरूरत

पड़ने पर मध्यक्रम भी दबाव संभाल सके। विटोरी ने टीम के तेज गेंदबाजों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि ईशान मलिंगा, पैट कमिंस और साकिब हुसैन की तिकड़ी ने टूर्नामेंट के दूसरे चरण में बड़ा अंतर पैदा किया। उनके अनुसार गेंदबाजों ने बल्लेबाजों का शानदार साथ दिया और यही वजह रही कि टीम लगातार जीत दर्ज करने में सफल रही। विटोरी ने कहा कि उनकी रणनीति हमेशा पांचवें और छठे गेंदबाज के विकल्प पर आधारित रहती है और यह टीम संतुलन के लिए बेहद अहम होता है। उन्होंने बताया कि पिच की परिस्थितियों को देखते हुए टीम ने इस मुकाबले में हर्षल पटेल को मौका दिया था, लेकिन टीम के पास प्रफुल्ल हिंगे और हर्ष दुबे जैसे विकल्प भी मौजूद हैं। विटोरी ने कहा कि पिछले 12 मैचों में से आठ में जीत दर्ज करना टीम के सामूहिक प्रदर्शन को दर्शाता है ।

गली क्रिकेट में गांगुली ने लगाया शतक

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने एक बार फिर अपने पुराने अंदाज से क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया है। 'प्रिंस ऑफ कोलकाता' और 'ऑफ साइड के भगवान' के नाम से मशहूर गांगुली ने करीब 14 साल बाद गली क्रिकेट में बल्ला थामा और धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक जड़ दिया। सोशल मीडिया पर उनका यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। सौरव गांगुली ने साल 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। हालांकि इसके बाद वह कुछ समय तक इंडियन प्रीमियर लीग में खेलते रहे, लेकिन 2012 के बाद उन्होंने पूरी तरह पेशेवर क्रिकेट से दूरी बना ली थी। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गांगुली लगातार प्रशासनिक भूमिकाओं में सक्रिय रहे और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष पद तक की जिम्मेदारी भी संभाली। लंबे समय बाद उन्हें बल्ले के साथ मैदान पर देखकर फैंस पुराने दिनों को याद करने लगे। हाल ही में खेले गए एक गली क्रिकेट मुकाबले में सौरव गांगुली ने अपनी क्लास और आक्रामकता दोनों का शानदार प्रदर्शन किया। वायरल वीडियो के मुताबिक उन्होंने सिर्फ 68 गेंदों में 132 रन की विस्फोटक पारी खेली। मैच के दौरान एक खास नियम बनाया गया था कि गांगुली को तीन बार आउट होने के बाद भी बल्लेबाजी जारी रखने की अनुमति होगी। लेकिन दादा ने अपने अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि उनके लिए एक मौका ही काफी है। हालांकि मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों के आग्रह पर वह दो बार बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हो गए। इसके बाद गांगुली ने चौकों और छक्कों की झड़ी लगा दी और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। सौरव गांगुली का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर बेहद शानदार रहा है।

जैकब बेथल को इंग्लैंड लौटने की सलाह, माइकल वॉन बोले- अब राष्ट्रीय टीम को दें प्राथमिकता

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथल के लिए अब तक उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है। शानदार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के बाद बड़े भरोसे के साथ आईपीएल में उतरे बेथल इस सीजन में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। इसी बीच इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें टूर्नामेंट छोड़कर तुरंत स्वदेश लौटने की सलाह दी है। वॉन का मानना है कि चोट और प्लेइंग इलेवन में अनिश्चितता को देखते हुए अब उन्हें इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम को प्राथमिकता देनी चाहिए। जैकब बेथल ने इस सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए नौ मुकाबले खेले, लेकिन वह केवल 163 रन ही बना सके। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में संघर्षपूर्ण रहा। पंजाब किंग्स के खिलाफ 17 मई को खेले गए मुकाबले के बाद वह मैदान पर नजर नहीं आए। उंगली में लगी चोट के कारण वह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 22 मई को खेले गए अहम लीग मुकाबले से भी बाहर रहे। बेथल की गैरमौजूदगी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करना पड़ा। टीम ने वेंकटेश अय्यर को विराट कोहली के साथ पारी की शुरुआत करने की जिम्मेदारी दी। वहीं टीम प्रबंधन प्लेऑफ मुकाबलों के लिए इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज फिल साल्ट की वापसी का इंतजार कर रहा है। कप्तान रजत पाटीदार भी उंगली की चोट से उबरने के बाद टीम में लौट आए हैं, जिससे बेथल की अंतिम एकादश में वापसी और भी मुश्किल नजर आ

रही है। इसी बीच इंग्लैंड को 4 जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। माइकल वॉन का कहना है कि यदि जैकब बेथल आईपीएल के नॉकआउट मुकाबलों में खेलने की स्थिति में नहीं हैं तो उन्हें तुरंत इंग्लैंड लौटकर अपनी फिटनेस पर ध्यान देना चाहिए। वॉन ने कहा कि इंग्लैंड टीम प्रबंधन को यह जानना जरूरी है कि बेथल पूरी तरह फिट हैं या नहीं, ताकि टेस्ट सीरीज के लिए सही फैसला लिया जा सके। एक बातचीत में वॉन ने कहा कि अगर बेथल चोटिल हैं तो उन्हें अगली फ्लाइट पकड़कर इंग्लैंड लौट जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इंग्लैंड का ट्रेनिंग कैंप अगले सप्ताह शुरू होने वाला है और राष्ट्रीय टीम की तैयारियां ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। हालांकि वॉन ने माना कि आईपीएल का अनुभव युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम होता है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में बेथल के लिए देश की जिम्मेदारी को प्राथमिकता देना ज्यादा उचित रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

सचिन तेंदुलकर ने साझा की बचपन की खास याद, बोले- ये बच्चे देश का भविष्य हैं

नई दिल्ली।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के लिए 'एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स फॉर ऑल' यानी ईएसए पहल सिर्फ इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़ा एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि एक बेहद भावनात्मक और व्यक्तिगत पहल है। मुंबई इंडियंस के वार्षिक ईएसए मैच से पहले सचिन ने अपने बचपन की एक खास याद साझा करते हुए बताया कि कैसे वानखेड़े स्टेडियम में बिताए गए कुछ पल आज भी उनके दिल में बसे हुए हैं। उनका मानना है कि इस बार मैच देखने आने वाले हजारों बच्चों के लिए भी यह अनुभव जीवनभर यादगार रहने वाला है। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि वानखेड़े स्टेडियम में होने वाला ईएसए मैच हमेशा बेहद खास होता है। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों तक बड़े-बड़े मुकाबले खेलने के बाद खिलाड़ी विशाल भीड़ के सामने खेलने के आदी हो जाते हैं, लेकिन जब हजारों बच्चे स्टैंड में बैठकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हैं, तो वह अनुभव बिल्कुल अलग होता है। सचिन के अनुसार खिलाड़ियों के लिए भी यह बेहद भावुक और प्रेरणादायक माहौल होता है। रविवार को जब मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स की टीमें आमने-सामने होंगी, तब वानखेड़े स्टेडियम सिर्फ क्रिकेट का मैदान नहीं रहेगा, बल्कि बच्चों के सपनों और खुशियों का केंद्र बन जाएगा। रिलायंस फाउंडेशन की ईएसए पहल के तहत मुंबई, महाराष्ट्र और गुजरात के पिछड़े इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों, गांवों और विशेष जरूरतों वाले स्कूलों से 20 हजार से ज्यादा बच्चों को मैच देखने के लिए लाया जाएगा। इस पहल की शुरुआत नीता अंबानी ने की थी, जिसका उद्देश्य शिक्षा और खेल के जरिए बच्चों को प्रेरित करना है। इस बार पहली बार नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के 100 दृष्टिहीन बच्चे भी इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे। वे अपने साथियों के साथ स्टेडियम में बैठकर मैच का अनुभव करेंगे। सचिन तेंदुलकर ने इस मौके पर 1983 की एक याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि जब वेस्टइंडीज की दिग्गज टीम भारत दौरे पर आई थी, तब वह वानखेड़े स्टेडियम के नॉर्थ स्टैंड में बैठकर भारतीय टीम का समर्थन कर रहे थे। सचिन ने कहा कि वह अनुभव आज भी उनके दिल में ताजा है और उन्हें विश्वास है कि आज स्टेडियम में आने वाले बच्चों के साथ भी ऐसी ही यादें जीवनभर रहेंगी। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि ये बच्चे देश का भविष्य हैं और आज यदि हम उनके लिए कुछ बेहतर कर सकते हैं, तो उसका सकारात्मक असर आने वाले समय में पूरे देश पर दिखाई देगा।

विराट कोहली और ट्रैविस हेड विवाद ने पकड़ा तूल, इंस्टाग्राम पोस्ट से बढ़ी चर्चा

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेले गए मुकाबले के बाद विराट कोहली और ट्रैविस हेड के बीच हुए विवाद ने क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी है। मैच खत्म होने के बाद विराट कोहली द्वारा ट्रैविस हेड से हाथ नहीं मिलाने की घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इसी बीच ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड की एक इंस्टाग्राम स्टोरी ने इस विवाद को और चर्चा में ला दिया है। ट्रैविस हेड ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मैच के दौरान गेंदबाजी करते हुए अपनी एक तस्वीर साझा की। खास बात यह रही कि हेड आमतौर पर गेंदबाजी नहीं करते, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने गेंद हाथ में लिया और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार का विकेट भी हासिल किया।

प्लेऑफ की जंग से पहले केकेआर को बड़ा झटका, अंगकृष रघुवंशी आईपीएल 2026 से बाहर

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में शानदार वापसी कर प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रखने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने इसकी आधिकारिक जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। टीम के अनुसार मुंबई इंडियंस के खिलाफ 20 मई को खेले गए मुकाबले के दौरान कैच पकड़ने की कोशिश में रघुवंशी को सिर में चोट लगी थी। इसके साथ ही उनके बाएं हाथ की उंगली में फ्रैक्चर भी पाया गया, जिसके चलते वह आईपीएल 2026 के बाकी मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने बयान में कहा कि टीम अंगकृष रघुवंशी के जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना करती है। 21 वर्षीय युवा बल्लेबाज इस सीजन में टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। विकेटकीपिंग के साथ-साथ उन्होंने बल्ले से भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया और कई अहम पारियां खेलीं। अंगकृष रघुवंशी ने आईपीएल 2026 में 13 मैचों की 12 पारियों में 422 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 42.20 और स्ट्राइक रेट 146.52 का रहा। उन्होंने पूरे सीजन में पांच अर्धशतक लगाए, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 82 रन रहा। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और लगातार रन बनाने की क्षमता ने केकेआर को मुश्किल परिस्थितियों में कई बार संभाला। अब रघुवंशी की गैरमौजूदगी टीम के लिए सबसे अहम मुकाबले से पहले बड़ी चिंता बन गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स का लीग चरण का आखिरी मुकाबला 24 मई को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला जाएगा। प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए केकेआर को यह मैच हर हाल में जीतना होगा। ऐसे में टीम के सबसे फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज का बाहर होना बड़ा नुकसान माना जा रहा है। हालांकि कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस सीजन में शानदार वापसी कर सभी को चौंकाया है। टीम ने शुरुआती छह मैचों में से पांच गंवा दिए थे और उसके खाते में सिर्फ एक अंक था। उस समय केकेआर

के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना बेहद कम मानी जा रही थी। लेकिन बाद के मुकाबलों में टीम ने दमदार प्रदर्शन किया और सात मैचों में लगातार जीत हासिल कर 12 अंक जुटाए। इस शानदार वापसी ने टीम को फिर से प्लेऑफ की दौड़ में ला खड़ा किया। अब कोलकाता को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत दर्ज करने के साथ-साथ अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा।

एक फेक न्यूज ने बदल दी आईपीएल खिलाड़ी की किस्मत, 6 साल बाद मिला इंसाफ

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2017 की नीलामी कई खिलाड़ियों के लिए सपनों को सच करने का मौका लेकर आई थी। उसी नीलामी में मध्यप्रदेश के बल्लेबाज हरप्रीत सिंह भाटिया भी शामिल थे, जिन पर कई फ्रेंचाइजी की नजर थी। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर उनसे बड़ी उम्मीदें की जा रही थीं, लेकिन नीलामी से ठीक पहले आई एक गलत खबर ने उनका पूरा करियर झकझोर कर रख दिया। एक फेक न्यूज और पहचान की गलती के कारण हरप्रीत सिंह भाटिया को ऐसा नुकसान उठाना पड़ा, जिसकी भरपाई होने में छह साल लग गए। दरअसल आईपीएल 2017 की नीलामी से पहले मुंबई में एक विवादित घटना सामने आई थी। पूर्व अंडर-19 क्रिकेटर हरमीत सिंह को अंधेरी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर कथित तौर पर कार चलाने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। मामला गंभीर था और तेजी से चर्चा में आ गया। इसी दौरान एक बड़ी समाचार एजेंसी ने गलती से हरमीत सिंह की जगह हरप्रीत सिंह भाटिया का नाम और तस्वीर खबर में चला दी। यही गलती हरप्रीत के करियर पर भारी पड़ गई। उस समय हरप्रीत सिंह भाटिया शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाए थे और कई आईपीएल टीमें उन्हें खरीदने की तैयारी कर रही थीं। लेकिन आपराधिक मामले से जुड़ी इस गलत खबर के सामने आने के बाद फ्रेंचाइजियां सतर्क हो गईं। किसी भी टीम ने विवादों में घिरे खिलाड़ी पर दांव लगाने का जोखिम नहीं उठाया। नतीजा यह हुआ कि हरप्रीत सिंह भाटिया नीलामी में अनसोल्ड रह गए। बाद में समाचार एजेंसी ने अपनी गलती सुधारते हुए स्पष्टीकरण जारी किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। नीलामी समाप्त हो चुकी थी और हरप्रीत का पूरा सीजन बर्बाद हो गया। हालांकि इस बड़े झटके के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और घरेलू क्रिकेट में लगातार मेहनत करते रहे।

आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और आईपीएल 2023 की नीलामी में पंजाब किंग्स ने उन्हें उनके बेस प्राइस पर टीम में शामिल किया। पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए हरप्रीत सिंह भाटिया ने खुद को साबित भी किया।

सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे जो रूट? इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली ।
टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। 15,921 रनों का यह ऐतिहासिक आंकड़ा लंबे समय तक अटूट माना जाता रहा, लेकिन अब इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट इस रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर रूट ने क्रिकेट जगत में इस बहस को तेज कर दिया है कि क्या वह सचिन का यह महान रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे। जो रूट इस समय टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उनके नाम 13,943 रन दर्ज हैं और वह सचिन तेंदुलकर से सिर्फ 1,978 रन पीछे हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए माना जा रहा है कि अगर रूट फिट रहते हैं और अगले दो साल तक इसी निरंतरता के साथ खेलते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड तक पहुंच सकते हैं।

एटीपी राउंडअप- हैम्बर्ग ओपन के फाइनल में पहुंचे टॉमी पॉल, लर्नर टिएन ने भी बनाई खिताबी मुकाबले में जगह

हैम्बर्ग,

23 मई (आईएएनएस)। टॉमी पॉल ने जर्मनी में शुक्रवार को हुए सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर को 2-6, 6-3, 6-3 से हराकर हैम्बर्ग ओपन के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। छठी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी पहला सेट हारने और दूसरे में 3-0 से पिछड़ने के बाद सीधे सेटों में हारने की राह पर लग रहे थे। हालांकि, पॉल ने लगातार नौ गेम जीतकर मैच का रुख बदल दिया और आखिरी सेट पर कंट्रोल कर लिया। इस जीत के साथ ही 28 वर्षीय पॉल अपने 10वें एटीपी टूर-लेवल फाइनल और इस सीजन में क्ले कोर्ट पर दूसरे फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले पिछले महीने ह्यूस्टन में उन्होंने खिताब जीता था। भले ही डी मिनौर ने 17 में से 13 ब्रेक पॉइंट बचाए, लेकिन उन्हें अपनी दूसरी सर्व में दिक्कत हुई, और वे उनमें से सिर्फ 44 प्रतिशत पॉइंट ही जीत पाए, क्योंकि पॉल ने बेसलाइन से उन्हें धीरे-धीरे थका दिया था। पॉल अब फाइनल में इग्नासियो बुसे से मुकाबला करेंगे। 22 साल के बुसे ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लकी लूजर एलेक्जेंडर कोवासेविक को सिर्फ 64 मिनट में 6-1, 6-4 से हराया। बुसे 2007 में लुइस हॉर्ना के बाद एटीपी टूर-लेवल के फाइनल में पहुंचने वाले पेरू के पहले खिलाड़ी हैं। इस बीच, स्विट्जरलैंड में जिनेवा ओपन में अमेरिकी युवा लर्नर टिएन ने कजाकिस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक को 6-1, 4-6, 7-6(5) से हराकर अपने करियर के

पहले क्ले-कोर्ट फाइनल में जगह बनाई। आखिरी सेट के टाईब्रेक में 6-1 की बढ़त बनाने के बाद टिएन आसान जीत की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन घबराहट में उन्होंने चार मैच पॉइंट गंवा दिए और आखिरकार अपने पांचवें मौके पर जीत हासिल की। 20 वर्षीय टिएन 1990 में सर्गी ब्रुगुएरा के बाद सबसे कम उम्र में जिनेवा ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली खिलाड़ी बन गए हैं।

एआई आधारित क्रिकेट प्लेटफॉर्म काबुनी से जुड़े एबी डी विलियर्स

युवा खिलाड़ियों को मिलेगा विश्वस्तरीय मार्गदर्शन

नई दिल्ली ।

क्रिकेट ट्रेनिंग को नई दिशा देने वाले एआई आधारित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म काबुनी ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज कप्तान एबी डी विलियर्स को अपना सुपर कोच नियुक्त किया है। एबी डी विलियर्स के जुड़ने को कंपनी ने अपने मिशन की बड़ी उपलब्धि बताया है। काबुनी का उद्देश्य आधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय क्रिकेट अनुभव को जोड़ते हुए हर स्तर के खिलाड़ियों तक बेहतरीन कोचिंग पहुंचाना है। एबी डी विलियर्स अब इस प्लेटफॉर्म पर पहले से जुड़े सौरव गांगुली और शेन वॉटसन जैसे दिग्गजों के साथ काम करेंगे। कंपनी का मानना है कि एबी डी विलियर्स के अनुभव और काबुनी की अत्याधुनिक तकनीक का मेल युवा खिलाड़ियों को क्रिकेट सीखने का बिल्कुल नया तरीका देगा। इस सहयोग के तहत भारत में 12 से 16 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए जून से एक राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट भी शुरू किया जाएगा। इसमें हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को एबी डी विलियर्स की टीम के लिए खेलने का अवसर मिल सकेगा। इस पूरी प्रक्रिया में काबुनी की एआई तकनीक का उपयोग किया जाएगा। काबुनी का प्लेटफॉर्म पारंपरिक क्रिकेट नेट प्रैक्टिस से अलग काम करता है। यह खिलाड़ी की मूवमेंट, शॉट चयन और गेंद की दिशा को रियल टाइम में ट्रैक करता है और फिर उसे आसान तथा उपयोगी फीडबैक में बदल देता है। कंपनी का ÷1 प्रतिशत इम्प्रूवमेंट÷ मॉडल खिलाड़ियों की छोटी-छोटी गलतियों को पहचानकर उन्हें तुरंत सुधारने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य समय के साथ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बड़ा और स्थायी सुधार लाना है।

कॉकरोच पार्टी के संस्थापक का इंस्टाग्राम अकाउंट हैक

-दावा: प्रयास करने के बाद भी रिकवरी नहीं हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने दावा किया है कि उनका पर्सनल इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर लिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर बताया कि वे अपने निजी अकाउंट को एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं। दीपके के मुताबिक, उन्होंने मेटा की रिकवरी प्रक्रिया के जरिए कई बार अपना अकाउंट वापस पाने की कोशिश की, लेकिन हर बार असफल रहे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी के बढ़ते प्रभाव के बीच उनके बैकअप इंस्टाग्राम अकाउंट को भी कुछ समय के लिए हटा दिया गया था, जिसे हालांकि बाद में दोबारा शुरू कर दिया गया। गौरतलब है कि कॉकरोच जनता पार्टी का इंस्टाग्राम अकाउंट इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शुरुआत के महज कुछ ही दिनों के भीतर इस अकाउंट ने करोड़ों की संख्या में फॉलोअर्स हासिल कर लिए हैं। अकाउंट शुरू होने के छठे दिन यानी शनिवार तक इस पर फॉलोअर्स की संख्या 2.17 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। इस अकाउंट ने अपनी शुरुआत के चौथे दिन ही फॉलोअर्स के मामले में भाजपा और कांग्रेस जैसी बड़ी राजनीतिक पार्टियों के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट्स को भी पीछे छोड़ दिया था। हैरानी की बात यह है कि कॉकरोच जनता पार्टी के अकाउंट से अब तक सिर्फ 75 पोस्ट किए गए हैं, फिर भी इसके फॉलोअर्स का आंकड़ा 2 करोड़ के पार है। अभिजीत दीपके के कई वीडियो और उनके द्वारा रिपोस्ट किए गए कंटेंट पर इस समय लाखों की संख्या में व्यूज आ रहे हैं। इस अभूतपूर्व लोकप्रियता के बीच ही अब उनके पर्सनल अकाउंट के हैक होने की बात सामने आई है।

ऋषिकेश में भीषण लिफ्ट हादसा : पांचवीं मंजिल से गिरी लिफ्ट, 22 पत्रकार गंभीर रूप से घायल

ऋषिकेश (एजेंसी)। उत्तराखंड के ऋषिकेश में शुक्रवार रात एक बड़ा और दर्दनाक हादसा हो गया, जहां वीरभद्र रोड स्थित एक निजी होटल में लिफ्ट के पांचवीं मंजिल से अचानक नीचे गिरने से 22 पत्रकार गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद होटल में अफरा-तफरी मच गई। सभी घायल पत्रकारों को तत्काल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है, जहां कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, फरीदाबाद से ऋषिकेश घूमने आए पत्रकारों का एक दल इसी होटल में ठहरा हुआ था। शुक्रवार रात खाना खाने के बाद सभी पत्रकार लिफ्ट से भूतल (ग्राउंड फ्लोर) की ओर उतर रहे थे, तभी अचानक लिफ्ट का तार टूट गया और वह सीधे नीचे आ गिरी। इस भयावह दुर्घटना में वरुण कुमार, मनोज सूर्यवंशी, रुपेश कुमार, चेतन सिंह और जय प्रकाश सहित कई पत्रकार घायल हो गए। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जिनमें से एक पत्रकार के दोनों पैरों में फ्रैक्चर की सूचना है। मौके पर मौजूद अन्य लोगों और घायल पत्रकारों ने होटल प्रबंधन पर लिफ्ट के रखरखाव में घोर लापरवाही का आरोप लगाया है, उनका कहना है कि लिफ्ट की स्थिति संतोषजनक नहीं थी। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और घायलों को एंबुलेंस की सहायता से एम्स ऋषिकेश पहुंचाया। एम्स चौकी प्रभारी देवेंद्र पंवार ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और होटल प्रबंधन से लिफ्ट के रखरखाव से संबंधित सभी दस्तावेज मांगे गए हैं। फिलहाल किसी भी पक्ष से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है, शिकायत मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे ने पर्यटन स्थलों पर स्थित होटलों में सुरक्षा व्यवस्था और लिफ्ट के नियमित रखरखाव की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त निगरानी की आवश्यकता पर बल मिलता है।

पेयजल संकट ने ली 3 आदिवासी छात्राओं की जान

-कुएं से पानी भरने गई थीं; एक-दूसरे को बचाने में डूब गईं

रायसेन (एजेंसी)। मप्र में भीषण गर्मी और जल संकट अब जानलेवा साबित होने लगा है। एक तरफ रायसेन जिले में पानी भरने गई तीन आदिवासी छात्राओं की कुएं में डूबने से मौत हो गई, तो दूसरी ओर छिंदवाड़ा में उभरती कराटे और ताइक्वांडो खिलाड़ी केशिका चौरे की भी कुएं में गिरने से जान चली गई। रायसेन जिले के गैरतगंज तहसील स्थित सगौर गांव में लंबे समय से पेयजल संकट बना हुआ है। गांव के लोगों को करीब एक किलोमीटर दूर कुएं से पानी लाना पड़ता है। शनिवार सुबह चार छात्राएं पानी भरने के लिए कुएं पर पहुंची थीं। इसी दौरान वे नहाने लगीं और अचानक एक छात्रा का पैर फिसल गया। अपनी सहेली को बचाने के लिए दूसरी और फिर तीसरी छात्रा भी कुएं में कूद गई, लेकिन गहरे पानी में तीनों की डूबने से मौत हो गई।

पानी भरने गईं छात्राएं नहीं लौटीं घर

रायसेन हादसे में मृत छात्राओं की पहचान राधा पिता हलके राम (12), अमृता पिता रामगोपाल (12) और तनु पिता हलके राम (13) के रूप में हुई है। राधा और अमृता पांचवीं कक्षा में पढ़ती थीं, जबकि तनु आठवीं की छात्रा थी। तनु और राधा सगी बहनें थीं। घटना के समय चौथी छात्रा अमीना भी मौके पर मौजूद थी। उसने गांव पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों को हादसे की जानकारी दी। इसके बाद गांववाले बच्चियों को कुएं से निकालकर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

पेड़ से टकराई कार, 3 बारातियों की मौत

श्रीगंगानगर (एजेंसी)। श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में 3 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को श्रीगंगानगर के सरकारी हॉस्पिटल रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और शव सडक़ और खेत में बिखर गए। प्रारंभिक जांच के अनुसार, युवक नशे में गाड़ी चला रहा था। मोड़ पर कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसा खिचिया गांव के पास दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ।

बांग्लादेश डिपोर्ट किए गए कुछ लोगों को भारत वापस लाएगी केंद्र सरकार

स्थिति की जांच कर भारतीय नागरिकता के दावे की पुष्टि करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने निर्वासित करके बांग्लादेश भेजे गए कुछ लोगों को भारत वापस लाने का फैसला किया है और उसके बाद उनकी भारतीय नागरिकता के दावे की पुष्टि की जाएगी। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि मामले के विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए और इसे अन्य मामलों में अनुकरणीय मिसाल न मानते हुए, सरकार ने उन्हें वापस लाने का फैसला लिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेहता ने न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की सदस्यता वाली पीठ से कहा कि सरकार उन्हें वापस लाएगी और उसके बाद उनकी स्थिति की जांच करेगी। परिणाम के आधार पर कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन व्यक्तियों को भारत वापस लाने में 8-10 दिन लग सकते हैं। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख जुलाई में तय की है। सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें कलकत्ता हाईकोर्ट के 26 सितंबर, 2025 के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें हाईकोर्ट ने सुनाली खातून और अन्य को बांग्लादेश निर्वासित करने के केंद्र सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था और इसे 'अवैध' करार दिया था।

पिछले साल 3 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने 'मानवीय आधार' पर सुनाली खातून और उनके आठ साल के बच्चे को बांग्लादेश भेजे जाने के महीनों बाद भारत में प्रवेश की अनुमति दी थी। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को बच्चे की देखभाल करने का निर्देश दिया था और बीरभूम जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को गर्भवती खातून को मुफ्त प्रसव की सुविधा समेत हर संभव चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने 24 अप्रैल को केंद्र सरकार को अंतिम अवसर दिया और उसके वकील को इस मामले में निर्देश लेकर कोर्ट को अवगत कराने को कहा।

सुनाली खातून के पिता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और संजय हेगड़े ने कहा कि केंद्र सरकार का यह रवैया 'कुछ हद तक अनुचित' है, जिसने इस मामले में कोर्ट को अपने विचार नहीं बताए हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मेहता की इस दलील पर गौर किया था कि सक्षम प्राधिकारी ने महिला और उसके बच्चे को विशुद्ध मानवीय आधार पर, अधिकारों और आपत्तियों पर बिना किसी पूर्वाग्रह के, देश में प्रवेश की अनुमति देने पर सहमति जताई थी और उन्हें निगरानी में रखा जाएगा।

सुनाली खातून के पिता ने आरोप लगाया कि दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र के सेक्टर 26 में दो दशकों से ज्यादा समय से दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर रहे इन परिवारों को पिछले साल 18 जून को बांग्लादेशी होने के संदेह में पुलिस ने हिरासत में लिया गया और बाद में 27 जून को सीमा पार धकेल दिया। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले की निवासी सुनाली खातून और स्वीटी बीबी को उनके परिवारों समेत 'अवैध प्रवासी करार देकर निर्वासित करके बांग्लादेश भेजने के केंद्र के फैसले को पिछले साल 26 सितंबर को हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था। हाईकोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया था कि निर्वासित किए गए छह नागरिकों को एक महीने के अंदर भारत वापस लाया जाए और आदेश पर अस्थायी रोक लगाने की सरकार की अपील को खारिज कर दिया था।

बीरभूम के उसी इलाके से दायर एक अन्य

याचिका में आमिर खान ने भी इसी तरह का दावा किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उसकी बहन स्वीटी बीबी और उसके दो बच्चों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया और पड़ोसी देश भेज दिया। इसके बाद इन लोगों को बांग्लादेश पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। हाईकोर्ट ने इस बात पर गौर किया था कि केंद्र ने अपने हलफनामे में कहा है कि दिल्ली स्थित विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय एक नागरिक प्राधिकरण होने के नाते, केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 2 मई, 2025 को जारी ज्ञापन के निर्देशानुसार बांग्लादेश के अवैध प्रवासियों को वापस भेज रहा है।

संसद सुरक्षा चूक मामले में यूएपीए के तहत 13 हजार पन्नों की चौथी चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिसंबर 2023 के संसद सुरक्षा चूक मामले में बड़ी कार्रवाई कर अदालत में 13 हजार पन्नों की चौथी सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह चार्जशीट गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत दाखिल की गई है, जो मामले की गंभीरता को रेखांकित करती है। इस विस्तृत चार्जशीट में आरोपियों पर गंभीर आरोप लगे हैं, जिसमें आतंकी गतिविधियों में शामिल होना, दंगा भड़काने की साजिश रचना और देश की सुरक्षा को खतरे में डालना प्रमुख हैं। पुलिस ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने जानबूझकर संसद की सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने की साजिश रची थी, जिसका उद्देश्य देशभर में भय और अशांति का माहौल बनाना था। स्पेशल सेल ने अपनी जांच के दौरान जुटाए गए ठोस सबूतों, डिजिटल डेटा, कॉल रिकॉर्ड्स, सोशल मीडिया चैट और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चार्जशीट तैयार की है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ यूएपीए की कई गंभीर धाराएं भी लगी हैं, जिसमें सरकारी कामकाज में बाधा डालना, ड्यूटी पर तैनात लोकसेवकों को रोकना, दंगा भड़काने के लिए उकसाना, सबूत मिटाना और आपराधिक साजिश रचना जैसे अपराध शामिल हैं। दिल्ली पुलिस ने साफ किया है कि संसद जैसी संवेदनशील जगह पर हुई यह घटना महज एक प्रदर्शन नहीं थी, बल्कि इसके पीछे एक संगठित साजिश और व्यापक तैयारी के प्रमाण मिले हैं। जांच एजेंसियां अब इस मामले से जुड़े संभावित अन्य नेटवर्क, फंडिंग के स्रोतों और किसी भी विदेशी संपर्क की गहन जांच कर रही हैं। गौरतलब है कि दिसंबर 2023 में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान, कुछ युवकों ने विजिटर्स गैलरी से लोकसभा सदन के अंदर कूदकर स्मोक कैनिस्टर छोड़े थे, जिससे देश भर में संसद की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। इस घटना के तुरंत बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली थी।

भारत में भी नेपाल-श्रीलंका जैसी युवा क्रांति आएगी, यह कब आएगी नहीं पता

-सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय काटजू ने किया दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) बेहद कम समय में देश के अंदर चर्चा का विषय बन गई। इस बीच अब सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर चर्चा शुरू हो गई है कि क्या भारत में नेपाल और श्रीलंका जैसी युवा क्रांति आएगी। इस चर्चा के बीच अब सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय काटजू ने दावा किया है कि भारत में भी इंग्लैंड, फ्रांस, रूस और चीन की तरह ही क्रांति जरूर आएगी, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इसका नेतृत्व कौन करेगा और यह कब आएगी। ये किसी को भी नहीं पता।

मार्कंडेय काटजू ने कहा कि भारत में जनता की क्रांति जरूर आएगी और आनी ही चाहिए। इंग्लैंड, फ्रांस, रूस और चीन की तरह ही होगी क्रांति। क्रांति के बाद ही विशाल सामाजिक-आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा। यह क्रांति कब आएगी? कैसे आएगी? इसकी भविष्यवाणी कोई नहीं कर सकता। क्रांति में कितना समय लगेगा? इसका नेतृत्व कौन करेगा? ये भी कोई नहीं जानता है। ऐतिहासिक स्वरूपों के बारे में कोई भी व्यक्ति हठधर्मी नहीं हो सकता।

बता दें हाल ही में नीट जैसी परीक्षा में हुए पेपर लीक का विवाद सामने आने के बाद छात्रों और युवाओं में काफी गुस्सा है। सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक स्टूडेंट्स और विपक्षी पार्टियां इसके खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं। ऐसे में विपक्ष के बड़े नेता युवाओं से नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका की तरह सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने की मांग कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से लेकर समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव तक जेन जी आंदोलन को लेकर कई बार बयान दे चुके हैं।

बता दें नेपाल में युवाओं के आंदोलन के चलते ही पिछले साल पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट सरकार गिर गई थी। आंदोलन की शुरुआत तब हुई, जब नेपाल में नेताओं के बच्चों की ऐश करती तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की जाने लगी। युवा इन तस्वीरों को शेयर कर कहने लगे कि एक तरफ नेपाल में इतनी गरीबी है और नेताओं के बच्चे महंगी लाइफस्टाइल जी रहे हैं। इस पर लगाम लगाने के लिए केपी शर्मा ओली ने फेसबुक, ट्वीटर, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और वाट्सऐप समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को देश में बैन कर दिया। इसके बाद ही युवा सड़कों पर उतर आए और केपी शर्मा ओली की सरकार गिर गई।

चिलचिलाती गर्मी के बीच मॉनसून ने पकड़ी रफ्तार

बिहार से केरल तक बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में जहाँ भीषण गर्मी और लू का कहर जारी है, वहीं दूसरी ओर मॉनसून की रफ्तार बढ़ने से कई राज्यों में मौसम बदलने वाला है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, अंडमान सागर और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। इसकी वजह से देश के कम से कम 15 राज्यों में झमाझम बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है।

मौसम विभाग के मुताबिक, मॉनसून की सक्रियता के कारण केरल, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, असम, मेघालय और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा बिहार और झारखंड में भी बारिश का अलर्ट है। बिहार में 23 मई को कई स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है, जबकि 24 और 25 मई को दरभंगा,

गया, मधुबनी, पूर्णिया और भागलपुर जैसे जिलों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है। पहाड़ी इलाकों की बात करें तो उत्तराखंड के हरिद्वार, चमोली, उत्तरकाशी और हिमाचल प्रदेश के शिमला, मनाली व कुल्लू में भी हल्की बारिश की उम्मीद है। दूसरी तरफ, उत्तर और मध्य भारत के मैदानी इलाकों को फिलहाल चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलती नहीं दिख रही है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भीषण हीटवेव (लू) का अलर्ट जारी है। इन राज्यों में शनिवार और रविवार को पारा 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका है। दिल्ली में 25 मई तक के लिए लू की चेतावनी दी गई है, जहां 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चल सकती हैं। उत्तर प्रदेश में 28 मई तक भयंकर लू चलने का अनुमान है। राज्य के कानपुर, इटावा, फतेहपुर, कन्नौज, मिर्जापुर और बांदा जैसे क्षेत्रों में तापमान 46 डिग्री के आसपास बना रहेगा। वहीं ओडिशा में भी गर्मी और उमस का प्रकोप जारी है, जहां इस महीने लू के कारण तीन लोगों की मौत हो चुकी है। ओडिशा के 30 में से 26 जिलों में लू की स्थिति बनी हुई है, जिसके तहत झारसुगुड़ा, संबलपुर और बोलंगीर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब के अमृतसर और पठानकोट में 23 मई को मामूली राहत मिल सकती है, लेकिन लुधियाना, पटियाला और हरियाणा के अधिकांश हिस्सों में गर्म हवाओं का दौर जारी रहेगा।

ईद पर गाजियाबाद प्रशासन सतर्क- भड़काऊ पोस्ट पर होगी सख्त कार्रवाई

गाजियाबाद(एजेंसी)। गाजियाबाद में ईद के त्यौहार से पहले लोकल प्रशासन और पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कमर कसी है। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने, भड़काऊ संदेशों और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए विशेष सतर्कता जारी है। पुलिस अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि इसतरह के किसी भी कृत्य में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। इसी क्रम में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठकें आयोजित की गईं ताकि समुदाय के सदस्यों को जागरूक कर सके और उनसे सहयोग मांगा जा सके। पुलिस का मानना है कि ईद भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक है, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग करके माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। सहायक पुलिस आयुक्त ने आयोजित बैठक में लोगों से ऐसी किसी भी अपुष्ट या विवादित जानकारी को आगे साझा न करने और तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस की इन गतिविधियों पर पैनी नजर है।

देश का युवा बेरोजगारी और व्यवस्था से परेशान, ध्यान नहीं दिया तो उठेगा तूफान

कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर राकेश टिकैत के बयान से राजनीतिक हलचल तेज

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। मुजफ्फरनगर में इन दिनों कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर राजनीतिक गलियारों में खूब चर्चा है। सोशल मीडिया से शुरू हुई यह बहस अब गांव-देहात से लेकर नेताओं के मंचों तक पहुंच गई है। खास बात यह है कि बड़ी संख्या में बेरोजगार युवा और व्यवस्था से नाराज लोग इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इसी मुद्दे पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बड़ा बयान देकर राजनीतिक हलचल और तेज कर दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राकेश टिकैत ने कहा कि जिस तेजी से कॉकरोच जनता पार्टी चर्चा में आ रही है, उससे साफ है कि देश का युवा बेरोजगारी और व्यवस्था से नाराज और परेशान है। उन्होंने कहा कि इस पार्टी को बनाने वाला व्यक्ति अमेरिका में बैठा है, लेकिन इसके बावजूद लोग बड़ी संख्या में इससे जुड़ रहे हैं। टिकैत ने कहा कि अगर यही रफ्तार रही तो आने वाले दिनों में कई नेता और विधायक भी समर्थन देना शुरू कर सकते हैं। किसान नेता ने कहा कि जनता के अंदर लंबे समय से गुस्सा दबा हुआ है और जैसे ही लोगों को बोलने का मौका मिलता है, वह खुलकर अपनी नाराजगी सामने रखते हैं।

उन्होंने कहा कि युवाओं में रोजगार को लेकर भारी निराशा है और यही वजह है कि वे नए विकल्पों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। टिकैत ने सरकार और नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर किसी से गलती हुई है तो उसे स्वीकार करना चाहिए और लोगों से माफी मांगनी चाहिए। ऐसा करने से युवाओं का गुस्सा कुछ हद तक शांत हो सकता है। उन्होंने बेरोजगारी को सबसे बड़ा मुद्दा बताते हुए कहा कि हालात इतने खराब हैं कि जो युवा पहले बड़ी नौकरियों की तैयारी करते थे, अब वही छोटे पदों की भर्तियों में भी आवेदन करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार नहीं मिलने से युवाओं में हताशा बढ़ रही है और यही नाराजगी अलग-अलग रूपों में सामने आ रही है।

टिकैत ने कहा कि एक तरफ लोगों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने की बात कही जाती है, दूसरी तरफ पुराने वाहनों से जुड़े कानूनों में राहत नहीं दी जा रही। उन्होंने अस्पतालों, रेल सेवाओं और बढ़ती महंगाई का जिक्र करते हुए कहा कि आम आदमी खुद को दबाव में महसूस कर रहा है। टिकैत ने कहा कि जनता की आवाज को ज्यादा समय तक दबाया नहीं जा सकता। लोगों के अंदर गुस्सा लगातार बढ़ रहा है और यदि रोजगार और मूलभूत समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में यह नाराजगी बड़ा आंदोलन बन सकती है।

सीएम मान बोले-आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश मानेंगे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आवारा कुत्तों के मुद्दे पर अपने पुराने रुख को बदलते हुए यूटर्न ले लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पंजाब सरकार अक्षरशः पालन करेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राज्य में आवारा कुत्तों के सफाई का अभियान शुरू करने की बात कही थी, जिसकी काफी आलोचना हो रही थी। अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद सरकार ने अदालती निर्देशों के अनुरूप कदम उठाने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए अपनी सरकार की नीति साफ की। उन्होंने लिखा कि अदालत के निर्देशों के अनुसार, सभी भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाया जाएगा ताकि बच्चे, बुजुर्ग और आम परिवार बिना किसी डर के घूम सकें। इसके साथ ही सरकार कुत्तों के लिए पर्याप्त संख्या में आश्रय स्थल (शेल्टर होम) बनाएगी और उनका सही तरीके से रखरखाव करेगी ताकि वहां उनकी उचित देखभाल की जा सके। मुख्यमंत्री ने आक्रामक कुत्तों से निपटने की योजना पर भी बात की। उन्होंने कहा कि जो कुत्ते पागल हैं, लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हैं या अत्यधिक आक्रामक और खतरनाक हो चुके हैं और इंसानों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं, उनके मामले में कानून के दायरे में रहते हुए दया-मृत्यु जैसे कड़े कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पूरी कार्रवाई पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और एबीसी (पशु जन्म नियंत्रण) नियमों के प्रावधानों के तहत ही की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक फैसले में मानव जीवन के खतरे को कम करने के लिए पागल, लाइलाज बीमार और आक्रामक कुत्तों को दया-मृत्यु देने की अनुमति दी है। शीर्ष अदालत ने अपनी व्यवस्था में साफ कहा कि जब इंसानों की सुरक्षा और जान की तुलना जानवरों के कल्याण से की जाती है, तो संवैधानिक संतुलन निश्चित रूप से मानव जीवन के संरक्षण और सुरक्षा के पक्ष में ही झुकेगा। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने इस संबंध में पूर्व में दिए गए आदेश को वापस लेने या बदलने के अनुरोध वाली सभी याचिकाओं को भी खारिज कर दिया।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर बना अभेद्य किला, चीन-पाकिस्तान की बढ़ी चिंता

-पूरे गलियारे को अत्याधुनिक सुरक्षा ढांचे से लैस करने में जुटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपने रणनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर को अभेद्य सैन्य गढ़ में बदलने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। चिकन नेक के नाम से पहचाने जाने वाले संकरे इलाके में व्यापक निर्माण और सैन्य विस्तार से भारत की सुरक्षा क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि होने का अनुमान है, जिसने चीन और पाकिस्तान की चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत सरकार और रक्षा प्रतिष्ठान पूरे गलियारे को अत्याधुनिक सुरक्षा ढांचे से लैस करने में जुटे हैं। हाल ही में, पश्चिम बंगाल सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास करीब 120 एकड़ जमीन केंद्र सरकार को सौंपने की मंजूरी दी है, जिसके बाद रणनीतिक क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और सैन्य सुविधाओं के विकास का कार्य तेज गति से शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में यह इलाका भारत की पूर्वोत्तर सुरक्षा का सबसे मजबूत केंद्र बन जाएगा।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर, पश्चिम बंगाल में स्थित करीब 20 से 22 किलोमीटर चौड़ी एक महत्त्वपूर्ण पट्टी है, जो मुख्य भारत को पूर्वोत्तर के आठ राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा से जोड़ती है। भौगोलिक रूप से, इसके एक ओर नेपाल, दूसरी ओर बांग्लादेश और उत्तर में भूटान के पास चीन की सामरिक चुम्बी घाटी स्थित है, जो युद्ध या तनाव की स्थिति में बेहद संवेदनशील बनाती है। अब इस गलियारे को एक मजबूत सैन्य ढांचे में बदलने के लिए कई बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने यहां के सात प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है, जिससे सेना की तेज आवाजाही और भारी हथियारों की तैनाती काफी आसान हुई है। इसके अतिरिक्त, अंडरग्राउंड रेलवे नेटवर्क और सुरंगों के निर्माण की योजना पर भी काम चल रहा है, ताकि युद्ध जैसी परिस्थितियों में भी रसद आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रह सके। भारतीय सेना ने इलाके की सुरक्षा और मजबूत करने के उद्देश्य से असम के धूबरी, बिहार के किशनगंज और पश्चिम बंगाल के चोपड़ा में नए सैन्य ठिकाने तैयार किए हैं। इसके साथ ही, अत्याधुनिक राफेल लड़ाकू विमानों, ब्रह्मोस मिसाइल रेजिमेंट और शक्तिशाली त्रिशक्ति कोर की उपस्थिति ने इस क्षेत्र की सामरिक ताकत को कई गुना बढ़ा दिया है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इन सुनियोजित कदमों से चीन और पाकिस्तान की संभावित रणनीतियों को बड़ा झटका लगा है और पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा पहले की तुलना में कहीं अधिक अभेद्य व मजबूत हो गई है, जिससे भारत की क्षेत्रीय शक्ति और प्रभुत्व स्थापित हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त राष्ट्र में हमास को निरस्त्र करने की मांग तेज

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में गाजा युद्धविराम समझौते की निगरानी कर रहे अधिकारियों ने हमास को हथियार छोड़ने के लिए हरसंभव दबाव बनाने की अपील की है। अमेरिका समर्थित शांति बोर्ड के प्रतिनिधि निकोलाय म्लादेनोव ने कहा कि गाजा में हिंसा का हर नया दौर संघर्षविराम को कमजोर कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समाधान नहीं निकला तो गाजा का मानवीय संकट और गहरा जाएगा। म्लादेनोव ने कहा कि हमास को चरणबद्ध तरीके से हथियार छोड़ने होंगे, जबकि इस्राइल को भी युद्धविराम की शर्तों का पालन करना चाहिए। हमास ने इस रिपोर्ट की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें इस्राइल की कथित उल्लंघनों को नजरअंदाज किया गया है। गाजा में जारी मानवीय संकट, सीमित राहत सामग्री और लगातार सैन्य तनाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है।

कांगो में इबोला सेंटर को भीड़ ने जलाया, बढ़ा तनाव

किंशासा, एजेंसी। कांगो के पूर्वी हिस्से में इबोला संक्रमण को लेकर बढ़ते डर और गुस्से के बीच लोगों ने एक उपचार केंद्र में आग लगा दी। र्वामपारा कस्बे में स्थानीय युवकों ने उस समय हिंसक प्रदर्शन किया जब प्रशासन ने इबोला से मृत संदिग्ध व्यक्ति का शव परिवार को सौंपने से रोक दिया। गुस्साई भीड़ ने इलाज केंद्र में तोड़फोड़ कर आग लगा दी, जिसके बाद स्वास्थ्यकर्मियों को वहां से भागना पड़ा। अधिकारियों के मुताबिक इबोला पीड़ितों के शव बेहद संक्रामक होते हैं, इसलिए विशेष प्रोटोकॉल के तहत अंतिम संस्कार कराया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि संक्रमण के मामले आधिकारिक आंकड़ों से कहीं ज्यादा हो सकते हैं। अब तक करीब 148 संदिग्ध मौतें और लगभग 600 संभावित मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि हालात तेजी से बिगड़ सकते हैं।

डेमोक्रेटिक रिपोर्ट में कमला हैरिस की रणनीति पर सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। डेमोक्रेटिक की पोस्ट-इलेक्शन रिपोर्ट में पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की चुनावी रणनीति की आलोचना की गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि हैरिस ने ग्रामीण अमेरिका की उपेक्षा की और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पर्याप्त आक्रामक प्रचार नहीं किया। 192 पन्नों की इस रिपोर्ट में कहा गया कि डेमोक्रेटिक पार्टी आइडेंटिटी पॉलिटिक्स पर जरूरत से ज्यादा निर्भर रही और आम मतदाताओं की आर्थिक चिंताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दे सकी। रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी पुरुष मतदाताओं, खासकर रंगभेद झेलने वाले समुदायों के पुरुषों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पाई। डेमोक्रेटिक रणनीतिकारों ने रिपोर्ट जारी करने में देरी और नेतृत्व की कार्यशैली पर भी नाराजगी जताई। इस रिपोर्ट ने पार्टी के भीतर 2024 चुनावी हार को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

यूक्रेन ने रूस में तेल रिफाइनरी पर साधा निशाना

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने बुधवार रात ड्रोन हमले कर रूस के अंदरुनी इलाके में तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, जिससे उसमें आग लग गई और धुएं का गुबार देखा गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार को यह दावा किया। यूक्रेन द्वारा रूस के महत्वपूर्ण तेल उद्योग पर लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों से हमला करने की यह नई घटना है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर हमले का एक कथित वीडियो साझा करते हुए कहा कि ड्रोन ने रूस में 800 किलोमीटर से अधिक दूर स्थित सिजरान तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया।

सिंगापुर के पास अमेरिका के पकड़े गए 20 ईरानी नाविक लौटे स्वदेश

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर के तट के पास अमेरिका के जब्त किए गए एक जहाज पर सवार 20 ईरानी नाविक वापस ईरान लौट आए हैं। ईरानी आधिकारिक समाचार एजेंसी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने बृहस्पतिवार को बताया कि ईरानी विदेश मंत्री, उनके पाकिस्तानी और सिंगापुर के समकक्षों के कूटनीतिक प्रयासों के बाद इन नाविकों की घर वापसी मुमकिन हो पाई है।

बालेंद्र की संसद में अनुपस्थिति पर हंगामा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की संसद से निरंतर अनुपस्थिति को लेकर बृहस्पतिवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने सदन में जमकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। इसके चलते सदन की कार्यवाही बाधित हुई और अंततः सदन को स्थगित करना पड़ा। गत सप्ताह सत्र शुरू होने के बाद से तीसरी बार विपक्ष ने बालेंद्र शाह की अनुपस्थिति के विरोध में प्रतिनिधि सभा की कार्यवाही को बाधित किया और बैठकों का बहिष्कार किया।

परमाणु हथियार से पश्चिम एशिया में हो सकता है बड़ा युद्ध, नहीं दे सकते इजाजत'; ट्रंप की ईरान को चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान को लेकर एक बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने ईरान को कड़ी चेतावनी देने के साथ-साथ बातचीत से मसले सुलझाने की बात भी कही है। ट्रंप प्रशासन ने साफ कर दिया है कि वे तेहरान को किसी भी हाल में परमाणु हथियार बनाने या रखने की इजाजत नहीं दे सकते। यह बयान ऐसे समय में आया है जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होने वाली तेल की सप्लाई को लेकर पूरी दुनिया में चिंता बनी हुई है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा जारी है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्या कहा : इस बीच, विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत के दौरे पर निकलने से पहले मियामी एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात की। उन्होंने ईरान को सख्त लहजे में चेतावनी दी। रुबियो ने कहा कि अगर ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर किसी भी तरह का टोल या शुल्क लगाने की कोशिश की, तो अमेरिका इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि समुद्र के इस रास्ते पर टोल सिस्टम बिल्कुल मंजूर नहीं है। अमेरिका इस मामले में बहरीन की ओर से लाए गए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का पूरा समर्थन कर रहा है। इस प्रस्ताव को दुनिया के 100 से ज्यादा देशों का साथ मिला है, जो सुरक्षा परिषद के इतिहास में एक बड़ी बात है। रुबियो ने कहा कि दुनिया में कोई भी टोल सिस्टम के पक्ष में नहीं है। अगर ईरान इस दिशा में आगे बढ़ता है, तो किसी भी कूटनीतिक समझौते तक पहुंचना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

क्या बोले ट्रंप : इसके बाद व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप ने भी अपनी बात रखी। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी नौसेना की मौजूदगी की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिका का पूरा नियंत्रण है। उन्होंने इसे 'स्टील की दीवार' जैसा मजबूत बताया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की मर्जी के बिना वहां से कोई भी जहाज नहीं गुजर सकता। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत को भारी नुकसान पहुंचा है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका ने ईरान की नौसेना और वायुसेना को पूरी तरह खत्म कर दिया है। साथ ही ईरान की ज्यादातर मिसाइल क्षमता भी अब खत्म हो चुकी है। ट्रंप ने परमाणु हथियारों के मुद्दे को अपनी सरकार की सबसे बड़ी विदेश नीति प्राथमिकता बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान परमाणु हथियार हासिल कर लेता है, तो मध्य पूर्व में परमाणु युद्ध छिड़ सकता है। इस युद्ध की आग अमेरिका और यूरोप तक भी पहुंच सकती है। ट्रंप ने कहा कि वे बातचीत का रास्ता खुला रखे हुए हैं, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी मौजूद है। उन्होंने दो टूक कहा कि या तो वे यह सुनिश्चित करेंगे कि ईरान के पास परमाणु हथियार न हों, वरना अमेरिका को कोई बहुत बड़ा कदम उठाना पड़ेगा।

मार्को रुबियो ने भारत के साथ रिश्तों पर कही ये बात : मार्को रुबियो ने भारत के साथ रिश्तों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत एक बेहतरीन सहयोगी और साझेदार है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव के कारण भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर चिंतित है। रुबियो ने भरोसा दिलाया कि अमेरिका भारत को उसकी जरूरत के मुताबिक ऊर्जा बेचने के लिए तैयार है। अपनी भारत यात्रा के दौरान वे ऊर्जा सहयोग और क्वाड समूह की बैठकों में हिस्सा लेंगे।

गाजा कार्यकर्ताओं को इस्राइल ने किया निर्वासित

गाजा, एजेंसी। इस्राइल ने गाजा की नौसैनिक नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश करने वाले सैकड़ों फ्लोटिला कार्यकर्ताओं को हिरासत के बाद निर्वासित कर दिया। करीब 420 कार्यकर्ता विमानों के जरिए तुर्किये पहुंचे, जहां इस्तांबुल एयरपोर्ट पर उन्होंने फ्री फिलिस्तीन के नारे लगाए। कई देशों ने कार्यकर्ताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर इस्राइली दूतों को तलब किया। इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर की आलोचना करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों के साथ किया गया व्यवहार इस्राइल के मूल्यों के अनुरूप नहीं था। कुछ कार्यकर्ताओं ने हिरासत के दौरान मारपीट और प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं, हालांकि इस्राइली जेल अधिकारियों ने इन दावों को खारिज किया है। गाजा पर 2007 से लागू समुद्री नाकेबंदी को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहस और विरोध लगातार तेज होता जा रहा है।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सऊदी अरब का बड़ा फैसला, कंसल्टिंग फर्मों के नए कॉन्ट्रैक्ट्स किए सस्पेंड

रियाद, एजेंसी। अमेरिका-ईरान संघर्ष और पश्चिम एशिया में फैले व्यापक संकट के चलते सऊदी अरब ने देश में कार्यरत पश्चिमी परामर्श कंपनियों के साथ नए अनुबंधों को निलंबित कर दिया है। साथ ही कुछ भुगतानों में भी देरी की गई है। बताया जा रहा है कि बढ़ते वित्तीय घाटे और तेल आय पर पड़े असर से निपटने के लिए रियाद यह कदम उठाने को मजबूर हुआ है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग तीन महीने तक चले अमेरिका-इजरायल-ईरान संघर्ष ने होर्मुज स्ट्रेट से होकर जाने वाले जहाजरानी मार्गों को बुरी तरह प्रभावित किया। इससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल आया, आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हुईं और कई आवश्यक वस्तुओं की कमी पैदा हो गई। दरअसल, संघर्ष शुरू होते ही सऊदी सरकार ने नए अनुबंधों पर रोक लगा दी। फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार, मैकिन्से, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) और बिग फोर अकाउंटिंग-एडवाइजरी कंपनियों समेत कई प्रमुख परामर्श फर्मों के अधिकारियों ने बताया कि रियाद ने औपचारिक घोषणा तो नहीं की, लेकिन सभी को साफ संकेत दे दिया गया है। एक अधिकारी ने कहा कि वे कह रहे हैं कि जुलाई तक भुगतान नहीं करेंगे। वहीं, दूसरे अधिकारी ने बताया कि नए समझौतों और बिलों के भुगतान संबंधी फैसले दूसरी

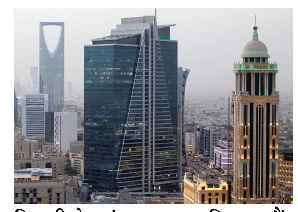

तिमाही के अंत तक टाल दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह कदम क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की महत्वाकांक्षी 'विजन 2030' योजना के तहत सरकारी खर्च को नियंत्रित करने की दिशा में एक और प्रयास है। योजना का मकसद तेल पर निर्भरता घटाना, आर्थिक विविधीकरण करना और सऊदी अरब को वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख खिलाड़ी बनाना है। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि ईरान की होर्मुज स्ट्रेट को अवरुद्ध करने की क्षमता के कारण सऊदी अरब को अपने रक्षा खर्च और लाल सागर के बुनियादी ढांचे पर अतिरिक्त निवेश करना पड़ सकता है। इससे बजट पर और दबाव बढ़ेगा। सऊदी अरब के वित्त मंत्रालय ने रिपोर्ट के दावों को आंशिक रूप से खारिज करते हुए कहा कि सरकार सभी निवेशों और परामर्श सेवाओं से विजन 2030 के रणनीतिक उद्देश्यों के अनुरूप स्पष्ट प्रतिफल सुनिश्चित करती है। मंत्रालय ने दावा किया कि वर्ष 2026 में 99.5 प्रतिशत बिलों का भुगतान निर्धारित समयसीमा के अंदर ही किया गया था।

ट्रंप ने पोलैंड में पांच हजार अतिरिक्त अमेरिकी सैनिक भेजने का किया ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनकी सरकार पोलैंड में अतिरिक्त पांच हजार अमेरिकी सैनिक भेजेगी। ट्रंप ने सोशल मी?डि?या प्?लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नवरोकी की सफल जीत और उनके साथ हमारे अच्छे रिश्तों को देखते हुए, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका पोलैंड में अतिरिक्त 5,000 सैनिक भेजेगा। मुझे राष्ट्रपति का समर्थन करने पर गर्व है।' समाचार एजेंसी सि?न्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह टिप्पणी पेंटागन की ओर से पोलैंड में 4,000 से अधिक यूएस-आधारित सैनिकों की नियोजित तैनाती को अचानक टालने के एक सप्ताह बाद आई है। पिछले साल पोलैंड में कैरोल नावरोकी राष्ट्रपति चुने गए थे। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस समय यूरोप में करीब 80,000 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं, जिनमें से लगभग 10,000 पोलैंड में तैनात हैं। इससे पहले पेंटागन ने यह भी घोषणा की थी कि अगले 6 से 12 महीनों में करीब 5,000 अमेरिकी सैनिकों को जर्मनी से वापस बुलाया जाएगा। उधर, जब पेंटागन ने पोलैंड में अमेरिकी सैनिकों की अस्थायी तैनाती की योजना रद्द की, तब अमेरिकी यूरोपीय कमांड के प्रमुख को 'सैनिकों की संख्या कम करने' के निर्देश दिए गए थे। यह जानकारी अमेरिकी सेना के कार्यवाहक चीफ ऑफ स्टाफ क्रिस्टोफर लानेव ने पिछले हफ्ते कांग्रेस की सुनवाई में दी।

लानेव ने 'दूसरी आर्म्ड ब्रिगेड कॉम्बैट टीम' का ज?िक्र करते हुए कहा, 'मैंने उनके साथ मिलकर इस पर चर्चा की कि कौन-सी यूनिट कम की जाए, और यह फैसला लिया गया कि उस ब्रिगेड की तैनाती फिलहाल न की जाए।' जनरल ने बताया कि यूनिट के कुछ हिस्से पहले ही विदेश भेजे जा चुके थे और उसका सैन्य सामान रास्ते में था। उन्होंने यह भी कहा कि तैनाती रद्द करने का आदेश अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के दफ्तर से आया था। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

डोनाल्ड ट्रंप के बाद अब शहबाज शरीफ जाने वाले हैं चीन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चीन की यात्रा करने वाले हैं। चीन के प्रधानमंत्री ली क्वियांग ने उन्हें बुलावा भेजा है। शरीफ की चीन यात्रा 23 से 26 मई के बीच होगी। इस दौरान वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली क्वियांग से मिलेंगे। बता दें कि हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन की यात्रा से लौटे हैं। चीन यात्रा के दौरान ट्रंप और जिनपिंग ने ईरान युद्ध और ताइवान समेत विभिन्न मुद्दों पर बात हुई। अब देखने वाली बात यह है कि शरीफ चीन पहुंचकर क्या खिचड़ी पकाते हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता, गुओ जियाकुन ने कहाकि शरीफ का दौरा दोनों देशों के बीच काफी अहम होने वाला है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर करीबी संवाद और समन्वय बनाए रखा है। साथ ही अपने साझा

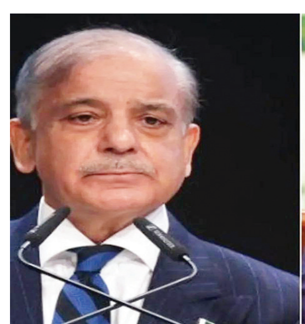

हितों की प्रभावी रूप से सुरक्षा की है। उन्होंने कहाकि इसके अलावा हमने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास को बढ़ावा दिया है। चीन को उम्मीद है कि इस अवसर का इस्तेमाल करते हुए दोनों देश, परंपरागत दोस्ती, सभी स्तर के सहयोग और एकता का नया अध्याय लिखेंगे। गुओ ने कहाकि हमारी कोशिश है कि चीन-पाकिस्तान समुदाय नए समय में एक साझा भविष्य की नींव रखे।

जिनपिंग ने जरदारी से की थी बात : बता दें कि गुरुवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष आसिफ अली जरदारी को दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ पर भी शुभकामनाएं दीं। सरकारी समाचार एजेंसी, शिन्हुआ मुताबिक, शी ने इस संदेश में कहाकि चीन और पाकिस्तान अच्छे दोस्त। साथ ही सभी मौसमों में सहयोगी रणनीतिक साझीदार हैं। हम पहाड़ों और नदियों से जुड़े हैं और सुख-दुःख साझा करते हैं। चीनी नेता ने कहाकि कूटनीतिक संबंध बनने के 75 साल के बाद से चीन और पाकिस्तान के बीच दोस्ती हमेशा से मजबूत और अटूट रही है।

चीनी राष्ट्रपति ने आगे कहाकि दोनों देशों ने लंबे समय से उच्च-स्तरीय आपसी राजनीतिक विश्वास, व्यावहारिक सहयोग, सुरक्षा सहयोग और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बनाए रखा है। यह दोनों देशों के बीच संबंधों को आदर्श रूप में दिखाता है। जिनपिंग ने कहाकि वे चीन-पाकिस्तान संबंधों को महत्वपूर्ण मानते हैं। साथ ही जरदारी के साथ मिलकर इस वर्षगांठ को एक अवसर के रूप में इस्तेमाल करने को तैयार हैं ताकि संबंधों को और बेहतर बनाया जा सके। साथ ही जिनपिंग ने पारंपरिक दोस्ती को बढ़ाने, सभी पहलुओं के सहयोग को और बेहतर करने पर जोर दिया।

प्रवासियों पर अमेरिका सख्त: नए आदेश से बढ़ी मैक्सिको की चिंता, राष्ट्रपति शीनबॉम ने उठाया ये कदम

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम ने कहा है कि उनकी सरकार अमेरिका के नए आदेश का असर का विश्लेषण कर रही है। यह आदेश उन प्रवासियों पर लागू हो सकता है जो बिना कानूनी दस्तावेजों के अमेरिका में रह रहे हैं। इसके तहत ऐसे लोगों के लिए अमेरिकी बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच मुश्किल हो सकती है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति शीनबॉम से उनकी रोजाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछा गया कि क्या इस फैसले का असर अमेरिका से मैक्सिको भेजे जाने वाले पैसों पर पड़ेगा। ये वही पैसे हैं, जिन्हें वहां काम कर रहे मैक्सिकन नागरिक अपने परिवारों को भेजते हैं। उन्होंने बताया कि मैक्सिको का वित्त मंत्रालय और अमेरिका में नए मैक्सिकन राजदूत रॉबर्टो लाजेरी मिलकर इस मामले का अध्ययन कर रहे हैं। फिलहाल उनकी शुरुआती राय है कि इससे कोई बड़ा खतरा नजर नहीं आ रहा।

अमेरिका ने उठाया क्या कदम : अमेरिका का यह एग्जीक्यूटिव ऑर्डर सीमा-पार होने वाले पैसों के लेन-देन और बैंक खाते खोलने या अन्य बैंकिंग सेवाओं के लिए इस्तेमाल होने वाली पहचान-पत्रों की निगरानी को और सख्त बनाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस नए कदम से अब बैंक और वित्तीय रिकॉर्ड भी इमिग्रेशन जांच के दायरे में आ सकते हैं। इससे कई प्रवासियों की गतिविधियों पर ज्यादा नजर रखी जा सकती है। व्हाइट हाउस के अनुसार, ट्रंप ने 19 मई को एक आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें बैंकों और वित्तीय नियामक संस्थाओं को कहा गया है कि वे ग्राहकों की नागरिकता और इमिग्रेशन स्थिति से जुड़े संदिग्ध संकेतों पर नजर रखें। यह कदम अवैध प्रवासियों के खिलाफ चलाए जा रहे बड़े अभियान का हिस्सा माना जा रहा है।

प्रवासियों पर क्या बोले ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'इनमें से कई कर्जदारों को देश से निकाले जाने का डर है। या फिर उनके नियोक्ताओं (मालिकों) द्वारा इमिग्रेशन कानूनों का पालन करने के कारण उन्हें अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है। कानूनी तौर पर काम करने की अनुमति न रखने वाले विदेशियों को कर्ज देना बैंकिंग व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। जिन लोगों पर कमाई बंद होने का बड़ा जोखिम हो, उन्हें ऋण देने से 'कर्ज चुकाने की क्षमता' का संकट पैदा होता है। यह स्थिति हमारी राष्ट्रीय बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करती है। इसी बीच, अमेरिकी कांग्रेस में विदेश भेजे जाने वाले पैसों यानी रेमिटेंस पर 5 प्रतिशत टैक्स लगाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा चल रही है। अभी केवल नकद लेनदेन पर 1 प्रतिशत टैक्स लगता है। मैक्सिको के अधिकारियों का कहना है कि अगर ऐसा टैक्स लगाया गया तो यह 'दोहरी टैक्स वसूली' जैसा होगा।

अंधाधुंध गोलियों की तड़तड़ाहट से दहला होंडुरास, छह पुलिसकर्मियों समेत 25 लोगों की हत्या

तेगूसिगल्पा, एजेंसी। मध्य अमेरिकी देश होंडुरास से एक बेहद खौफनाक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां हथियारबंद बदमाशों ने दो अलग-अलग जगहों पर अंधाधुंध गोलीबारी की है। इस भयानक हमले में कम से कम 25 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। मरने वालों में पुलिस के छह जवान भी शामिल हैं। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

यह खूनी खेल गुरुवार को होंडुरास के तटीय इलाकों में खेला गया। अधिकारियों के मुताबिक, पहला हमला उत्तरी होंडुरास के ट्रूजिलो नगर पालिका क्षेत्र के एक बागान में हुआ। यहां काम कर रहे कम से कम 19 मजदूरों को गोलियों से भून दिया गया। इसके बाद दूसरा हमला ग्वाटेमाला सीमा के पास ओमोआ इलाके में हुआ, जहां बदमाशों ने पुलिस टीम पर घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में एक वरिष्ठ अधिकारी समेत छह पुलिसकर्मियों की जान चली गई।

ट्रूजिलो के बागान में क्यों हुआ यह खूनी संघर्ष : ट्रूजिलो का इलाका प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है और यहां दशकों से जमीन और खेती को लेकर खूनी संघर्ष चलता आ रहा है। यह इलाका पर्यावरण और भूमि अधिकारों की रक्षा करने वालों के लिए बहुत खतरनाक माना जाता है। गैर-सरकारी संगठन 'ग्लोबल विटनेस' के अनुसार, होंडुरास पर्यावरणविदों के लिए दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक है। साल 2024 में यहां पर्यावरण नेता जुआन लोपेज की हत्या कर दी गई थी। यहां जमीन और जंगल बचाने वाले कार्यकर्ताओं को अक्सर धमकियां मिलती हैं।

पुलिसकर्मियों पर बदमाशों ने क्यों किया जानलेवा हमला : ओमोआ में मारे गए छह पुलिसकर्मी एक विशेष 'एंटी-गैंग मिशन' (गैंगस्टर विरोधी अभियान) पर निकले थे। पुलिस के मुताबिक, यह टीम राजधानी टेगुसिगाल्पा से ओमोआ जा रही थी, तभी रास्ते में बदमाशों ने उन पर गोलियों की बौछार कर दी। होंडुरास लंबे समय से खतरनाक गैंग (गिरोह) और नशीले पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। विश्व बैंक के अनुसार 2011 के बाद से यहां हत्या की दर में कमी आई थी।

इसरो ने फिर रचा इतिहास! अमेरिका की धरती पर चंद्रयान-3 मिला अंतरिक्ष का सबसे बड़ा सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत के ऐतिहासिक चंद्रयान-3 मिशन ने एक बार फिर पूरी दुनिया में देश का मान बढ़ाया है। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहली बार सफल लैंडिंग कर इतिहास रचने वाले इस मिशन को अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स (एआईएए) ने '2026 गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवार्ड' से नवाजा है। 21 मई को वाशिंगटन डीसी में आयोजित एक खास समारोह में इस मिशन को अंतरिक्ष विज्ञान के इस सबसे बड़े सम्मान से सम्मानित किया गया।

इसरो की ओर से राजदूत विनय क्वात्रा ने लिया अवार्ड : एआईएए एसेंड 2026 सम्मेलन के दौरान, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की तरफ से अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने यह अवार्ड स्वीकार किया। इस गौरवशाली अवसर पर राजदूत क्वात्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्पेस विजन 2047' की रूपरेखा पेश की। उन्होंने डीप स्पेस एक्सप्लोरेशन (गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण), मानव अंतरिक्ष मिशन और भारत के तेजी से उभरते कमर्शियल स्पेस सेक्टर की जानकारी दुनिया के सामने रखी। इसके साथ ही, उन्होंने अंतरिक्ष खोज के क्षेत्र में भारत और अमेरिका की सरकारों, उद्योगों और रिसर्च संस्थानों के बीच साझेदारी को और गहरा करने का आह्वान किया।

क्यों खास है चंद्रयान-3 की यह उपलब्धि : 23 अगस्त 2023 अंतरिक्ष जगत के लिए एक मील का पत्थर है। इसी दिन चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट लैंडिंग की थी और ऐसा करने वाला यह दुनिया का पहला स्पेसक्राफ्ट बन गया था। चांद का यह हिस्सा वैज्ञानिक और रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है, जहां इससे पहले कभी सतह पर जाकर खोज नहीं की गई थी। इस मिशन ने न सिर्फ भविष्य के मानव मिशनों के लिए महत्वपूर्ण डेटा भेजा, बल्कि चांद की मिट्टी में कई अहम रसायनों की मौजूदगी की भी पुष्टि की। इन स्थानीय संसाधनों से भविष्य में चांद की सतह पर मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन्स चलाने की संभावनाएं भी खुल गई हैं।

क्या है 'गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवार्ड' : गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवार्ड एआईएए द्वारा अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में शानदार उपलब्धियों के लिए दिया जाने वाला सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित सम्मान है। यह पुरस्कार किसी खास व्यक्ति या टीम को दिया जाता है।

इस पुरस्कार की शुरुआत श्रीमती गोडार्ड ने अपने पति रॉबर्ट एच. गोडार्ड की याद में की थी। रॉबर्ट गोडार्ड एक विजनरी, बेहतरीन इंजीनियर और लिक्विड रॉकेट इंजन के प्रणेता थे, जिनके शुरुआती प्रयोगों ने अंतरिक्ष विज्ञान की नींव रखी थी। साल 1975 में इंस्टीट्यूट ने इस पुरस्कार के चयन के दायरे को बढ़ाते हुए इसे इसका मौजूदा नाम और स्वरूप दिया था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com